वर्ष : 35 | अंक : 23 | मुंबई, सोमवार, 6 अप्रैल 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सैन्य ऑपरेशन और रेस्क्यू मिशन

इसी बीच, अमेरिका ने ईरान के भीतर एक साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर एक घायल एयरमैन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बताया जा रहा है कि यह एयरमैन एफ-15 लड़ाकू विमान में सवार था, जिसे कथित तौर पर मार गिराया गया था। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मिशन को बेहद जोखिम भरा लेकिन सफल और साहसी अभियान करार दिया और कहा कि यह सेना की उच्च क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की दक्षता को दर्शाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस जटिल अभियान में इजराइल ने भी अमेरिका की मदद की, जिससे मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम देना संभव हो सका। वहीं दूसरी ओर, ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया और कुछ सैन्य एयरक्राफ्ट व हेलिकॉप्टर को मार गिराया। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, उनकी वायु रक्षा प्रणाली पूरी तरह सक्रिय है और किसी भी बाहरी खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

वैश्विक असर की आशंका

होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम है। इसके बंद होने या तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ सकता है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच बातचीत और सैन्य गतिविधियां दोनों तेज हैं। आने वाले दिनों में समझौता होता है या हालात और बिगड़ते हैं, इस पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र में किसी भी तरह का टकराव तेल की कीमतों में तेज उछाल ला सकता है, जिसका असर आम लोगों तक महसूस होगा। इसके अलावा, वैश्विक व्यापार मार्ग भी प्रभावित हो सकते हैं, जिससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा। ऐसे में कूटनीतिक समाधान की उम्मीदें और भी महत्वपूर्ण हो गई हैं।

आज हो सकता है अमेरिका-ईरान समझौता : ट्रम्प

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के साथ सोमवार को समझौता होने की अच्छी संभावना है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और जल्द ही कोई बड़ा फैसला हो सकता है। ट्रंप ने अपने बयान में यह भी संकेत दिया कि अमेरिका और Iran के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव को कम करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। उनके अनुसार, दोनों पक्षों के प्रतिनिधि लगातार संपर्क में हैं और कई अहम मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति हुई है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि वार्ता इसी तरह आगे बढ़ती रही, तो यह समझौता न केवल दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देगा, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता को भी मजबूती प्रदान करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि संभावित समझौते में परमाणु कार्यक्रम, आर्थिक प्रतिबंधों में ढील और सुरक्षा संबंधी चिंताओं जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल हो सकते हैं। यदि यह समझौता सफल होता है, तो इसका असर वैश्विक राजनीति और मध्य-पूर्व की रणनीतिक परिस्थितियों पर भी देखने को मिल सकता है।

समझौता नहीं हुआ तो कार्रवाई की चेतावनी

ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं होता है तो अमेरिका कड़े कदम उठा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि हालात बिगड़ने पर सैन्य कार्रवाई और तेल संसाधनों पर नियंत्रण जैसे विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है। ट्रंप ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट खोलने की डेडलाइन दी है। उनका कहना है कि यदि यह मार्ग नहीं खोला गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने यहां तक कहा कि ऐसे में ईरान के पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाया जा सकता है।

सरकार प्रभावित किसानों को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी : मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता | नासिक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों में बेमौसम बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान और आर्थिक हानि से प्रभावित किसानों को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ हुई बेमौसम बारिश से महाराष्ट्र के कई जिलों में फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है और 1.22 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर नुकसान की सूचना मिली है।

82,000 से अधिक किसान प्रभावित

मुख्यमंत्री ने यहां कहा,'सरकार सभी प्रभावित किसानों को सहायता प्रदान करेगी। महाराष्ट्र में जब भी बेमौसम बारिश या ओलावृष्टि होती है, हम सर्वेक्षण करते हैं और मुआवजा प्रदान करते हैं। इस बार भी ऐसा ही किया जाएगा।'अधिकारियों ने कुछ दिन पहले कहा था कि उत्तरी महाराष्ट्र और पश्चिमी महाराष्ट्र, मराठवाड़ा व विदर्भ के कुछ हिस्सों में इसका प्रभाव गंभीर रहा है, जिससे 82,000 से अधिक किसान प्रभावित हुए हैं।उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में नासिक, अहिल्यानगर, जलगांव, धुले, बुलढाणा और छत्रपति संभाजीनगर शामिल हैं, जहां खड़ी और कटी हुई रबी फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

बेमौसम बारिश से फसलें तबाह, राहत का भरोसा : सुनेत्रा पवार

इस बीच महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने क्षेत्र में बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए रविवार को बारामती में बारिश प्रभावित कई क्षेत्रों का दौरा किया। पवार ने किसानों से बातचीत की और पुणे जिले में बेमौसम बारिश के कारण हुए नुकसान की समीक्षा की तथा आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं को अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा व राहत प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'राज्य के कुछ हिस्सों में पिछले दो दिनों से हो रही बेमौसम बारिश के कारण किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। स्थिति बेहद चिंताजनक और दुखद है।'पवार ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और अधिकारियों को नुकसान का आकलन करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

दिल्ली-मुंबई में हमले की साजिश नाकाम

ISIS-जैश से जुड़े दो संदिग्ध गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

AI IMAGE

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और महाराष्ट्र एटीएस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुर्ला इलाके से दो संदिग्ध आतंकियों को हिरासत में लिया है। दोनों के तार आतंकी संगठनों आईएसआईएस और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। खुफिया जानकारी मिलने के बाद दिल्ली और महाराष्ट्र की एजेंसियों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। कार्रवाई के दौरान दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर प्रारंभिक पूछताछ की गई। जांच एजेंसियों को शक है कि ये बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे।

टॉय कार में विस्फोट की योजना

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों की योजना दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में टॉय कार में विस्फोटक लगाकर धमाका करने की थी, जिससे ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सके। समय रहते कार्रवाई होने से यह साजिश नाकाम कर दी गई।

नेटवर्क की तलाश जारी

एटीएस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में कुछ अन्य संदिग्धों की भूमिका भी सामने आ सकती है, जिन पर एजेंसियां नजर रखे हुए हैं। दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली ले जाया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियां पूरे नेटवर्क का पता लगाने और साजिश की गहराई तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।समय रहते हुई इस कार्रवाई से एक बड़ा आतंकी खतरा टल गया। जांच एजेंसियां अब पूरे नेटवर्क को बेनकाब करने में जुटी हैं।

बंगाल चुनाव : PM मोदी से हेमा मालिनी तक BJP के स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस बार शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ फिल्म, खेल और राजनीति के चर्चित चेहरों को भी प्रचार अभियान में उतारा है। स्टार प्रचारकों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जैसे दिग्गज शामिल हैं। इसके अलावा धर्मेंद्र प्रधान, योगी आदित्यनाथ, शिवराज सिंह चौहान, देवेंद्र फडणवीस और हिमंत बिस्वा सरमा भी प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

अन्य प्रमुख नेता भी मैदान में

सूची में स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, अश्विनी वैष्णव, अन्नपूर्णा देवी, अर्जुन मुंडा, भूपेंद्र यादव, बिप्लब कुमार देब, मंगल पांडेय और सम्राट चौधरी जैसे नेता भी शामिल हैं। राज्य स्तर पर सुवेंदु अधिकारी, शांतनु ठाकुर, राजू बिस्ता, जयंत कृष्ण रॉय और मनोज टिग्गा को भी अहम जिम्मेदारी दी गई है।

फिल्म और खेल जगत के चेहरे भी शामिल

बीजेपी ने इस बार प्रचार को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए मनोरंजन और खेल जगत के लोकप्रिय चेहरों को भी शामिल किया है। इनमें मिथुन चक्रवर्ती, हेमा मालिनी, कंगना रनौत, टेनिस स्टार लिएंडर पेस और गायक-नेता मनोज तिवारी शामिल हैं।

दो चरणों में होगा मतदान

- पहला चरण: 23 अप्रैल
- दूसरा चरण: 29 अप्रैल
- मतगणना: 4 मई

ब्रीफ न्यूज़

शराब नीति केस : हाईकोर्ट में खुद पैरवी करेंगे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली की कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल सोमवार को खुद दिल्ली हाई कोर्ट में पेश होकर अपनी दलील रखेंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक इस मामले में 'रिक्यूजल' (जज के सुनवाई से हटने) की मांग करेंगे। दरअसल, इस केस में पहले निचली अदालत ने केजरीवाल को ईडी के समन की अवहेलना के आरोप से बरी कर दिया था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने इस फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं। केजरीवाल और अन्य आरोपियों ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के खिलाफ रिक्यूजल अर्जी दाखिल की है।

आईएमडी का अलर्ट : दिल्ली-NCR में ओलावृष्टि की आशंका

नई दिल्ली। आईएमडी ने देशभर में मौसम के बिगड़ने को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। राजधानी दिल्ली-NCR में रविवार रात से बारिश, ओलावृष्टि और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। खासकर गुरुग्राम, दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और नोएडा जैसे इलाकों में मौसम का असर ज्यादा देखने को मिल सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह सिस्टम छिटपुट प्रकृति का है। यानी कुछ इलाकों में तेज बारिश और ओले गिर सकते हैं, जबकि आसपास के क्षेत्र सूखे रह सकते हैं। अनुमान है कि NCR का 50 से 60 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित नहीं होगा।

25 सेकंड के वीडियो से खुला आतंकी नेटवर्क

लखनऊ-मुंबई को निशाना बनाने की साजिश का दावा

एजेंसी | लखनऊ/मुंबई

उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा भंडाफोड़ किए गए आतंकी मॉड्यूल में एक नया और अहम खुलासा सामने आया है। जांच एजेंसियों को करीब 25 सेकंड का एक वीडियो मिला है, जिसमें सीमा पार बैठे हैंडलर के भारत में मौजूद नेटवर्क से संपर्क की पुष्टि होती दिख रही है। इस वीडियो में कथित पाकिस्तानी हैंडलर चेहरे पर काला चश्मा लगाए और हाथ में हथियार लहराते हुए दिखाई दे रहा है। वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नेटवर्क से जुड़े युवाओं को निर्देश देता नजर आता है।

मुंबई में दहशत फैलाने की साजिश

जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क का मुख्य उद्देश्य मुंबई में दहशत और सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। आरोप है कि सदस्यों को शोरूम और वाहनों में आगजनी करने के निर्देश दिए गए थे, ताकि माहौल खराब किया जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नेटवर्क में शामिल युवाओं को मोटी रकम का लालच देकर जोड़ा गया था।

कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट कांड

फरार डॉक्टर का वीडियो वायरल, जांच तेज

कानपुर। किडनी ट्रांसप्लांट घोटाले में नया मोड़ सामने आया है। फरार आरोपी डॉक्टर अफजाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह नोटों की गड्डियों के साथ नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है और आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। कानपुर के आहूजा अस्पताल में 31 मार्च को किडनी ट्रांसप्लांट से जुड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ था। जांच में सामने आया कि डोनर और रिसीवर के बीच अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट कराया गया और इसके बदले मोटी रकम का लेन-देन हुआ।

असम में राहुल गांधी का हमला

'100 दिन में दिलाएंगे न्याय, हिमंत हमसे डरते हैं'

एजेंसी | कामरूप/विश्वनाथ

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम में चुनावी जनसभाओं के दौरान भाजपा और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दिवंगत गायक जुबिन गर्ग का मुद्दा उठाते हुए बड़ा वादा किया। राहुल गांधी ने कहा कि यदि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो जुबिन गर्ग को 100 दिनों के भीतर न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के किसी भी बड़े नेता-न नरेंद्र मोदी, न अमित शाह और न ही मुख्यमंत्री-ने उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि दी।

'नफरत बनाम एकता' का मुद्दा

कामरूप में राहुल गांधी ने कहा कि एक तरफ जुबिन गर्ग की विचारधारा है, जो लोगों को जोड़ने का काम करती है, जबकि दूसरी तरफ मुख्यमंत्री की भाषा और राजनीति नफरत फैलाने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा समाज को एकजुट करने की सोच के साथ काम करती है।

कार के लालच में छात्रों ने की हत्या, 12 घंटों में तीनों आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में लालच की एक खौफनाक वारदात सामने आई है, जहां इंजीनियरिंग के तीन छात्रों ने कार और मोबाइल लूटने के इरादे से एक व्यापारी की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना वाडी इलाके की है, जिससे पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान 44 वर्षीय सुचित भोजापुरकर के रूप में हुई है, जो स्पेयर पार्ट्स का कारोबार करते थे। पुलिस के अनुसार, घटना के समय वह नशे की हालत में थे, जिसका फायदा उठाकर आरोपियों ने साजिश को अंजाम दिया।

श्मशान के पास हत्या, पहचान छिपाने की कोशिश

आरोपी व्यापारी को खड़गांव रोड स्थित श्मशान घाट के पास ले गए, जहां पत्थरों से उसके सिर पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद पहचान छिपाने के लिए शव के कपड़े उतारकर झाड़ियों में फेंक दिया। अगले दिन एक स्थानीय व्यक्ति ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में मृतक की पत्नी ने उसकी पहचान की, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

12 घंटे में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

Nagpur Police और क्राइम ब्रांच ने तेजी दिखाते हुए महज 12 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी फूड डिलीवरी का काम करता था और अकेले रहता था। पुलिस फिलहाल आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या इस वारदात में किसी और की भी भूमिका है। यह घटना एक बार फिर दिखाती है कि लालच किस तरह युवाओं को अपराध की राह पर ले जा सकता है।

मदद के बहाने रची साजिश

पुलिस जांच में सामने आया है कि तीनों आरोपी परीक्षा खत्म होने के बाद घूम रहे थे। वर्धमान नगर पुल के पास उनकी मुलाकात व्यापारी से हुई। उन्होंने मदद के बहाने उससे संपर्क किया और उसकी कार में बैठ गए। इसके बाद वे उसे भिवापुर की ओर ले गए और फिर वाडी की तरफ लौट आए। इस दौरान आरोपियों ने व्यापारी की पत्नी को फोन कर भरोसा दिलाया कि वे उन्हें सुरक्षित घर पहुंचा देंगे, लेकिन कुछ देर बाद फोन काटकर उन्होंने लूट की योजना बना ली।

संभाजीनगर में दर्दनाक हादसा: मछली पकड़ने गए जीजा-साले डूबे, एक का शव मिला

डीबीडी संवाददाता । संभाजीनगर

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। वडगांव कोल्हाटी इलाके के पाझर तालाब में मछली पकड़ने गए जीजा और साले की डूबने से मौत हो गई। बचाव दल ने एक युवक का शव बरामद कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश अब भी जारी है।

तालाब किनारे मिला सामान, बढ़ी अनहोनी की आशंका

जानकारी के मुताबिक, 35 वर्षीय सिद्धार्थ शिवाजी दिवेकर और उनके 25 वर्षीय साले विनोद जाधव शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे मछली पकड़ने के लिए तालाब पर गए थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। शनिवार सुबह तालाब किनारे उनकी बाइक, कपड़े और मोबाइल मिलने से परिजनों को अनहोनी का अंदेशा हुआ। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घंटों की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने सिद्धार्थ दिवेकर का शव बाहर निकाला, जिसे पोस्टमार्टम के लिए घाटी अस्पताल भेजा गया है। वहीं, विनोद जाधव की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। इस हादसे ने परिवार को पूरी तरह झकझोर दिया है। सिद्धार्थ दिवेकर पेशे से ड्राइवर थे और अपने पीछे पत्नी, तीन बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। अचानक हुई इस घटना से बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया, जिससे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पूरे वालोज क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोग और प्रशासन मिलकर लापता युवक की तलाश में जुटे हुए हैं।

बारामती में सियासी मुकाबला तेज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बारामती विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। यह सीट पहले अजित पवार के निधन के कारण खाली हुई थी। अब इस सीट पर कई दलों के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

सुनेत्रा पवार मैदान में

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार इस उपचुनाव में उम्मीदवार हैं। उन्हें महायुति (BJP, शिंदे सेना) और महाविकास अघाड़ी के घटक दलों में से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) का भी समर्थन मिला है। इससे चुनाव की दिशा और रोचक हो गई है।

जातीय समीकरण भी अहम

कांग्रेस ने आकाश मोरे को धनगर समुदाय से उम्मीदवार बनाया है। बारामती क्षेत्र में धनगर मतदाताओं की अच्छी संख्या मानी जाती है, ऐसे में यह फैसला जातीय समीकरणों को साधने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। कुल मिलाकर बारामती उपचुनाव अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह राज्य की सियासत में शक्ति संतुलन और गठबंधन की एक बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है।

कांग्रेस ने उतारा उम्मीदवार

हालांकि, कांग्रेस ने अलग राह अपनाते हुए चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पार्टी ने आकाश मोरे को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। आकाश मोरे पहले भी 2014 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। महायुति की ओर से बारामती में निर्विरोध चुनाव कराने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन कांग्रेस के मैदान में उतरने के बाद यह संभावना खत्म हो गई है। अब कुल 19 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है, जिससे मुकाबला बहुकोणीय हो गया है। इस उपचुनाव को लेकर महाविकास अघाड़ी में भी मतभेद सामने आए हैं। जहां NCP (शरद पवार गुट) और उद्धव सेना ने सुनेत्रा पवार को समर्थन दिया है, वहीं कांग्रेस ने अलग रुख अपनाते हुए अपना उम्मीदवार उतारा है। इससे गठबंधन में दरार की चर्चा भी तेज हो गई है।

अमरावती मनपा की नई आयुक्त वर्षा लड्ढा

डीबीडी संवाददाता । अमरावती

भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी वर्षा लड्ढा ने रविवार को अमरावती नगर निगम की नई आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक से औपचारिक रूप से कार्यभार संभाला। यह कार्यक्रम नगर निगम के मुख्य कार्यालय में संपन्न हुआ।

विदाई समारोह का आयोजन

कार्यक्रम के बाद सौम्या शर्मा चांडक के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उनके कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर अकोला पुलिस अधीक्षक अर्चित चांडक, अतिरिक्त आयुक्त महेश देशमुख, उपायुक्त नरेंद्र वानखड़े, योगेश पिठे, श्रीकांतसिंह चौहान, नंदकिशोर तिखिले, भूषण पुसतकर, डॉ. विशाल काले सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सर्वांगीण विकास पर जोर

पदभार संभालने के बाद वर्षा लड्ढा ने शहर के समग्र और सतत विकास को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि अमरावती शहर की विकास योजनाओं को नई दिशा देने के साथ ही चल रही परियोजनाओं को गति दी जाएगी, ताकि वे समय पर पूरी हो सकें।

पूर्व आयुक्त का कार्यकाल सराहा गया

निवर्तमान आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक ने अपने संबोधन में अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि नगर निगम की छवि को बेहतर बनाने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय जरूरी है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके कार्यकाल में शुरू की गई योजनाएं नए नेतृत्व में सफलतापूर्वक आगे बढ़ेंगी।

नवी मुंबई में तांत्रिक का पर्दाफाश, महिलाओं से यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तारी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

कलंबोली इलाके में अब्दुल रशीद उर्फ बाबाजान नाम के एक तांत्रिक के खिलाफ गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि वह काला जादू और समस्याओं के समाधान का झांसा देकर महिलाओं का यौन शोषण करता था। इस मामले में दो महिलाओं ने खालापुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

भरोसा जीतने के लिए अपनाता था अलग तरीका

आरोपी खुद को आध्यात्मिक और धार्मिक बताकर लोगों को आकर्षित करता था। वह लोगों को "अल्लाह की अहमियत" समझाने और उनकी आर्थिक, सामाजिक व व्यक्तिगत समस्याएं दूर करने का दावा करता था। इसी बहाने वह लोगों का भरोसा जीतता था और फिर उन्हें अपने जाल में फंसाता था।

महिलाओं को सुनसान जगह बुलाकर शोषण

आरोप है कि वह महिलाओं को अकेले मिलने के लिए बुलाता था और खालापुर के एक फार्महाउस में ले जाकर उनसे काला जादू करने के बहाने आपत्तिजनक गतिविधियां करता था। विरोध करने पर धमकी और डर का सहारा लिया जाता था।

सांताक्रूज़ की घटना का भी आरोप

एक मामले में सांताक्रूज़ की एक मां और उसकी बेटी के साथ भी दुष्कर्म और हत्या की कोशिश के आरोप लगाए गए हैं। इन गंभीर आरोपों के चलते उसके खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

समाज और संगठनों की प्रतिक्रिया

मामले के सामने आने के बाद विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पीड़ितों को सामने आने और शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया है। यह मामला एक बार फिर दिखाता है कि कैसे अंधविश्वास और भरोसे का फायदा उठाकर कुछ लोग अपराध को अंजाम देते हैं।

कई लोगों को बनाया शिकार

बताया जा रहा है कि आरोपी पिछले कई वर्षों से इस तरह की गतिविधियों में शामिल था। वह पुरुषों से भी पैसे ऐंठता था और बड़ी संख्या में लोग उसकी बातों में आकर उसके पास अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढने आते थे।

'काले जादू' का डर दिखाकर ठाणे के परिवार से 1.66 करोड़ की ठगी, आरोपी पर केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 'काले जादू' का भय दिखाकर एक परिवार से 1.66 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने अंधेरी निवासी मंजुनाथ शेट्टी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, कासरवडवली थाने में 2 अप्रैल को दर्ज एफआईआर में पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि उनके एक रिश्तेदार ने काला जादू कर उनकी प्रगति रोक दी है। इस 'प्रभाव' को खत्म करने के नाम पर उसने दो साल के दौरान परिवार से लाखों रुपये वसूले।

अनुष्ठान और तीर्थयात्रा के नाम पर ठगी

आरोपी ने कथित तौर पर परिवार को 12 ज्योतिर्लिंगों की तीर्थयात्रा और विशेष पूजा-पाठ कराने की सलाह दी। छोटी-मोटी घटनाओं को 'काले जादू' से जोड़कर वह परिवार को लगातार डराता रहा और पैसे देने के लिए मानसिक दबाव बनाता रहा। पुलिस के मुताबिक, फरवरी से अप्रैल 2024 के बीच आरोपी ने पूजा सामग्री के नाम पर करीब 10 लाख रुपये नकद लिए। इसके बाद मई 2024 से जनवरी 2026 के बीच लगभग 1.56 करोड़ रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए गए।

गंभीर धाराओं में केस दर्ज

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और महाराष्ट्र के अघोरी प्रथा व काला जादू विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी ने परिवार की धार्मिक भावनाओं और डर का फायदा उठाकर योजनाबद्ध तरीके से बड़ी रकम ऐंठी है।

डर और दबाव बनाकर वसूली जारी रखी

आरोपी ने यह भी दावा किया कि उसके खिलाफ चल रहे अदालती मामलों के लिए पैसे जरूरी हैं। उसने परिवार को डराया कि यदि वह जेल चला गया तो अनुष्ठान अधूरे रह जाएंगे और उनकी समस्याएं और बढ़ जाएंगी।

वर्धा में खूनखराबा: जमीन विवाद में नाबालिग ने चाचा-चचेरे भाई को उतारा मौत के घाट

डीबीडी संवाददाता । वर्धा

महाराष्ट्र के वर्धा जिले में जमीन विवाद ने एक भयावह रूप ले लिया, जब एक नाबालिग ने शादी के जुलूस के दौरान अपने ही चाचा और चचेरे भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

मौके पर ही दोनों की मौत

हमले में प्रभाकर भालमे और रितेश गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक मचे हंगामे के बीच जब लोगों ने देखा तो दोनों जमीन पर खून से लथपथ पड़े थे प्राथमिक जांच में सामने आया है कि परिवार के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस का मानना है कि इसी रंजिश के चलते यह खौफनाक वारदात हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी नाबालिग को हिरासत में ले लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इस सनसनीखेज घटना ने एक बार फिर पारिवारिक विवादों के खतरनाक अंजाम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शादी के जुलूस में शुरू हुआ विवाद

पुलिस के मुताबिक, घटना बरबादी गांव में सुबह करीब 10:30 बजे हुई। शादी के जुलूस के दौरान आरोपी किशोर, उसके चाचा प्रभाकर भालमे (50) और चचेरे भाई रितेश (24) के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि किशोर ने गुस्से में चाकू निकालकर दोनों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

ठाणे पुलिस की तत्परता, रिक्शा में भूले साढ़े चार लाख के जेवर 5 घंटे में बरामद

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर पुलिस ने तत्परता और ईमानदारी का उदाहरण पेश करते हुए रिक्शा में छूटे करीब साढ़े चार लाख रुपये के जेवरात महज पांच घंटे में बरामद कर पीड़ित परिवार को सौंप दिए। घटना के अनुसार, घाटकोपर निवासी वरिष्ठ नागरिक संपत सालवे अपनी पत्नी के साथ भिवंडी जाने के लिए लोकल ट्रेन से ठाणे रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। वहां से उन्होंने रिक्शा लेकर भिवंडी की ओर रवाना हुए, लेकिन टोल नाके पर उतरने के बाद उन्हें याद आया कि गहनों से भरा बैग रिक्शा में ही छूट गया है। घबराए दंपती तुरंत पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भरत चौधरी ने मामले की जांच उपनिरीक्षक प्रवीण जाधव को सौंपी।

पुलिस की सराहना

बैग वापस मिलने पर दंपती भावुक हो गए और उन्होंने पुलिस की सतर्कता व ईमानदारी की सराहना की। ठाणे पुलिस की इस कार्रवाई ने यह साबित किया कि त्वरित कार्रवाई, तकनीक का सही इस्तेमाल और जिम्मेदारी से काम करने पर बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कम समय में संभव है।

CCTV खंगालकर मिला सुराग

ड्यूटी खत्म होने के बावजूद जाधव ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। उन्होंने पुलिस सिपाही सचिन पाचपुते के साथ मिलकर ठाणे से भिवंडी तक के CCTV फुटेज खंगाले। लगातार पांच घंटे की मेहनत के बाद संबंधित रिक्शा का नंबर ट्रेस कर लिया गया और चालक से संपर्क किया गया।

सुरक्षित मिला पूरा सामान

रिक्शा चालक से लेदर बैग बरामद हुआ, जिसमें करीब चार लाख रुपये के सोने के आभूषण, चांदी के पायजेब, पैन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज मौजूद थे। पुलिस ने पूरा सामान सुरक्षित सालवे दंपती को लौटा दिया।

'लाडकी बहिन' योजना पर सियासत, 71 लाख लाभार्थियों को अयोग्य बताने का दावा

डीबीडी संवाददाता । पुणे

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता सुषमा अंधारे ने महाराष्ट्र सरकार की 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन' योजना को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत करीब 71 लाख लाभार्थियों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

सरकार से जवाब की मांग

अंधारे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इस मामले पर जवाब देने की मांग की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि इस कथित वित्तीय नुकसान की भरपाई कौन करेगा। वहीं, सरकारी अधिकारियों के अनुसार, 'लाडकी बहिन' योजना के तहत करीब 68 लाख खाते इसलिए बंद किए गए क्योंकि लाभार्थी तय समय सीमा तक अनिवार्य e-KYC प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके। इसके चलते सक्रिय खातों की संख्या घटकर लगभग 1.75 करोड़ रह गई है।

'पहले बताएं अयोग्य क्यों किया'

अंधारे ने प्रेसवार्ता में कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे को स्पष्ट करना चाहिए कि इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को योजना से बाहर क्यों किया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले शुरू की गई इस योजना के तहत इन महिलाओं को करीब 255 .60 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

बढ़ाई गई अंतिम तारीख

e-KYC की अंतिम तिथि 31 मार्च थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दिया गया है।अधिकारियों का कहना है कि इस अवधि में प्रक्रिया पूरी करने पर कई खाते फिर से सक्रिय हो सकते हैं। 'लाडकी बहिन' योजना को लेकर विपक्ष और सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। जहां विपक्ष इसे चुनावी रणनीति बता रहा है, वहीं सरकार तकनीकी कारणों से खातों के बंद होने की बात कह रही है। आने वाले समय में इस मुद्दे पर सियासत और गरमाने की संभावना है।

नासिक कुंभ 2026 पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे : फडणवीस

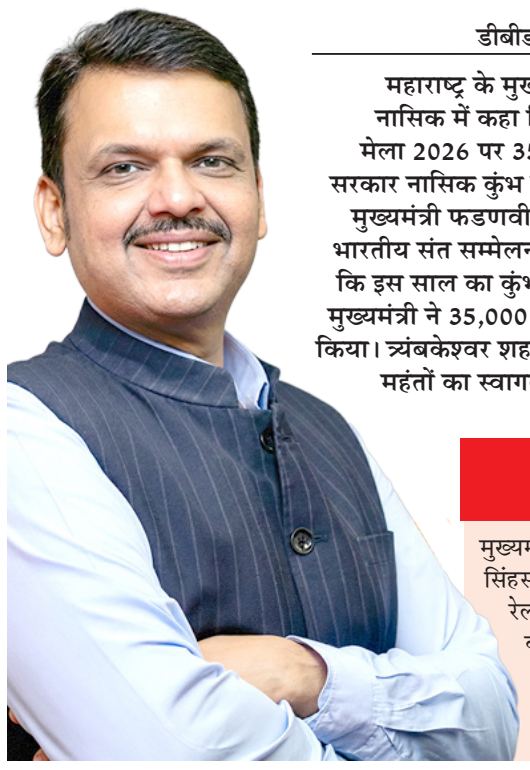

डीबीडी संवाददाता | नासिक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नासिक में कहा कि राज्य सरकार नासिक सिंहस्थ कुंभ मेला 2026 पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। राज्य सरकार नासिक कुंभ को भव्य और दिव्य बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री फडणवीस आज नासिक में आयोजित अखिल भारतीय संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस साल का कुंभ भव्य और दिव्य होगा, यह कहते हुए मुख्यमंत्री ने 35,000 करोड़ रुपये के कामों का रोडमैप पेश किया। त्र्यंबकेश्वर शहर में भगवान श्री राम और सभी संतों-महंतों का स्वागत करते हुए उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया।

भव्य कुंभ की तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ भक्तों के लिए हम सभी सुविधाएं तैयार रखेंगे। उन्होंने कहा कि भले ही नासिक में जगह सीमित है, लेकिन ज्यादा से ज्यादा जगह देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, 'सनातन संस्कृति ने सब कुछ संभाल रखा है। कई हमलों के बाद भी यह अभी भी बची हुई है। हमारे पास महाराष्ट्र की वारकरी पंथ की परंपरा है। औरंगजेब ने चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न खड़ी की हों, हमारी वारकरी परंपरा जारी है। संतों के विचार न सिर्फ हमारे मन को पवित्र करते हैं बल्कि हमारी आत्मा को भी पवित्र करते हैं। इसके लिए कुंभ मेला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सभी संत महंतों ने हमें अपना बनाया है। इसलिए हम इस साल के कुंभ को भव्य और दिव्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं।'

सिंहस्थ कुंभ के लिए बुनियादी ढांचे पर जोर

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए सडक़, रेल और एयरपोर्ट की सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोदावरी नदी को साफ रखने के लिए पक्के उपाय किए जाएंगे और त्र्यंबकेश्वर में साल भर पानी बहता रहे, इसके लिए भी काम चल रहा है। अभी तक साधुग्राम के लिए किसानों से किराए पर जमीन ली जा रही थी। हालांकि, उन्होंने घोषणा की कि सरकार ने अब उस जमीन को सीधे खरीदने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति कभी खत्म नहीं होती और कई हमलों के बाद भी बची हुई है। वारकरी परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संतों के विचारों से मन पवित्र होता है, इसीलिए कुंभ मेला ज़रूरी है।

विरार स्टेशन पर क्षमता बढ़ाने का काम पूरा, जल्द दौड़ेगी 15-कोच की लोकल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विरार–दहाणू रोड (VR–DRD) तीसरी-चौथी लाइन परियोजना के तहत विरार रेलवे स्टेशन पर क्षमता विस्तार के काम में बड़ी प्रगति हुई है। प्लेटफॉर्म संख्या 3A और 4A की चौड़ाई 6.50 मीटर से बढ़ाकर 10.50 मीटर कर दी गई है और इन्हें 15-कोच लोकल ट्रेनों के अनुरूप विस्तारित किया गया है। पहले ये प्लेटफॉर्म केवल 12-कोच ट्रेनों के लिए ही उपयुक्त थे। इसके अलावा, पश्चिम दिशा में नया होम प्लेटफॉर्म 5A भी तैयार किया गया है।

4 महीने में पूरा हुआ काम

उच्च यात्री दबाव वाले इस स्टेशन पर सभी कार्य महज चार महीने के रिकॉर्ड समय में पूरे किए गए हैं। इसे व्यस्त उपनगरीय नेटवर्क में तेज और कुशल निष्पादन का उदाहरण माना जा रहा है। पश्चिम रेलवे ने एमआरवीसी के सहयोग से नए प्लेटफॉर्म पर EMU ट्रेन का सफल ट्रायल रन किया। अब इन प्लेटफॉर्म्स को जल्द ही जोनल रेलवे को सौंपा जाएगा, जिसके बाद 15-कोच उपनगरीय सेवाएं शुरू हो सकेंगी।

यात्रियों को मिलेगा सीधा फायदा

इस परियोजना के पूरा होने से :ट्रेनों की वहन क्षमता बढ़ेगी,भीड़भाड़ में कमी आएगी,यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, पश्चिमी उपनगरीय मार्ग पर बढ़ती मांग को संभालने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने क्या कहा एमआरवीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विलास एस. वाडेकर ने कहा कि विरार स्टेशन पर क्षमता वृद्धि का यह कार्य पूरे सेक्शन की क्षमता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने बताया कि एमआरवीसी और पश्चिम रेलवे मिलकर ऐसे प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे सुरक्षा के साथ ट्रेन संचालन में न्यूनतम बाधा सुनिश्चित हो सके। विरार स्टेशन पर हुए इस अपग्रेड से मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय रेल नेटवर्क को बड़ा सहारा मिलेगा और लाखों यात्रियों को रोजमर्रा की यात्रा में राहत मिलने की उम्मीद है।

मुंबई से सीरियल मॉलेस्टर गिरफ्तार

हाई-प्रोफाइल इलाकों की महिलाओं को बनाता था निशाना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस ने बांगुर नगर इलाके से एक सीरियल मॉलेस्टर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान 23 वर्षीय मुख्तार नसीर खान के रूप में हुई है, जो गोरेगांव पूर्व स्थित आरे कॉलोनी का रहने वाला है और फिल्म लाइन से जुड़ा बताया जा रहा है।

तीन केस दर्ज और खुलासे की आशंका

पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ अब तक तीन महिलाओं से छेड़छाड़ के मामले दर्ज हो चुके हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि पूछताछ में और भी घटनाओं का खुलासा हो सकता है।

सुनसान जगहों पर करता था वारदात

पुलिस के अनुसार आरोपी हाई-प्रोफाइल इलाकों में अकेली महिलाओं को निशाना बनाता था। वह सुनसान जगहों पर महिलाओं के साथ छेड़छाड़ कर बाइक से फरार हो जाता था, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद बांगुर नगर पुलिस ने विशेष टीम गठित की। जांच के दौरान 29 से अधिक CCTV फुटेज खंगाले गए, जिनके आधार पर आरोपी की पहचान कर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का बयान

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र आव्हाड ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुंबई पुलिस की त्वरित कार्रवाई से इलाके में राहत का माहौल है। इस गिरफ्तारी ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस की सक्रियता को भी दर्शाया है।

आठ दिनों में महाराष्ट्र में सियासी हलचल का दावा

नाना पटोले ने 'ऑपरेशन लोटस' की आशंका जताई

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

नाना पटोले ने बड़ा राजनीतिक दावा करते हुए कहा है कि अगले आठ दिनों में महाराष्ट्र में बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिल सकता है। उन्होंने इसे "सियासी भूकंप" करार दिया है।

बीजेपी पर 'ऑपरेशन लोटस' का आरोप

पटोले ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगी दलों को तोड़ने की साजिश कर रही है और जल्द ही 'ऑपरेशन लोटस' को अंजाम दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का इतिहास रहा है कि वह अपने मित्र दलों को कमजोर करती है।

चुनाव से पहले बड़े उलटफेर की बात

नागपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान पटोले ने दावा किया कि आने वाले चुनाव परिणामों से पहले ही बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो राज्य में केवल दो प्रमुख दल—बीजेपी और कांग्रेस—ही रह जाएंगे।

महाराष्ट्र की राजनीति में पहले भी हुए बड़े बदलाव

पिछले कुछ वर्षों में राज्य की राजनीति में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं।जून 2022 में शिवसेना में विभाजन हुआ, जब एकनाथ शिंदे गुट ने बगावत की। इसके बाद जुलाई 2023 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में भी टूट हुई और अजीत पवार गुट अलग हो गया।

नेताओं के दावों का जिक्र

पटोले ने पूर्व सांसद नवनीत राणा के दावों का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि कई नेता बीजेपी के संपर्क में हैं। इस पर पटोले ने कहा कि यह घटनाएं आगे और बढ़ सकती हैं और कुछ दलों के नेताओं का बीजेपी में जाना नई बात नहीं होगी। पटोले के इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, उनके दावे को लेकर किसी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

गैस सिलेंडर चोरी गिरोह का भंडाफोड़, 45 सिलेंडर के साथ मास्टरमाइंड गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस ने गैस सिलेंडर और वाहन चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। Mumbai Police की पवई यूनिट ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के पास से 45 गैस सिलेंडर और 3 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने सबसे पहले पवई क्षेत्र से एक बर्गमैन स्कूटर चोरी किया और उसी का इस्तेमाल कर गैस सिलेंडर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बाद पुलिस सतर्क हुई और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी सर्विलांस की मदद ली। मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर ठाणे के वर्तक नगर इलाके में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान 45 वर्षीय राज चंद्रकांत कांबले के रूप में हुई है।

खाकी पर दाग : कांस्टेबल समेत 4 गिरफ्तार, 25 लाख की लूट का खुलासा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मायानगरी में कानून के रखवालों पर ही सवाल खड़े करने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। अंधेरी पूर्व में दिनदहाड़े हुई 25 लाख रुपये की लूट के मामले में मुंबई पुलिस के एक सेवारत कांस्टेबल की संलिप्तता उजागर हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांस्टेबल सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरी रकम बरामद कर ली है।

पलक झपकते वारदात, CCTV से खुला राज

घटना 3 अप्रैल 2026 की दोपहर करीब 1:40 बजे तेली गली क्रॉस रोड पर हुई। नालासोपारा निवासी शैलेश मोरे, जो एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के सहायक हैं, नकदी से भरा बैग लेकर जा रहे थे। तभी एक आरोपी ने उन्हें धमकाकर बैग छीना और फरार हो गया। वारदात इतनी तेजी से हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं सके। गिरफ्तार आरोपियों में अंबोली पुलिस स्टेशन में तैनात कांस्टेबल ईश्वर बालकृष्ण जाधव (31) भी शामिल है। उसके अलावा अभिषेक माली, सागर सुतार और पुरुषोत्तम कनोजिया को भी पुलिस ने दबोचा है। अदालत ने सभी को 7 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

टेंडर में गड़बड़ी का आरोप,एनएसयूआई ने नागपुर यूनिवर्सिटी से मांगा जवाब

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

एनएसयूआई ने राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली से जुड़ी टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। संगठन ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए कुलपति से जवाब तलब किया है।

'छात्रों के भविष्य से खिलवाड़' का आरोप

एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय 'एक ही कंपनी' होने के लाभ तो ले रहा है, लेकिन उससे जुड़े दायित्वों को नजरअंदाज कर रहा है। यदि ग्लोबेरेना के अनुभव को अलग कर दिया जाए, तो कोएम्ट पात्रता मानकों पर खरी नहीं उतरती और उसे टेंडर प्रक्रिया से बाहर किया जाना चाहिए था। संगठन ने यह भी दावा किया कि अन्य राज्यों, खासकर तेलंगाना में इस समूह से जुड़े कामकाज पर पहले भी विवाद हो चुके हैं, जिनमें परीक्षा गड़बड़ी जैसे गंभीर मामले शामिल हैं।

परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल

एनएसयूआई पदाधिकारियों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया में दस्तावेजों, अनुभव प्रमाणपत्रों और कंपनी के रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच नहीं की गई। ऐसे में तीन साल का अनुबंध देना परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है।

ब्लैकलिस्टेड कंपनी से जुड़े होने का आरोप

एनएसयूआई के मुताबिक, विश्वविद्यालय ने परीक्षा कार्य के लिए कोएम्ट एजू टेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ करार किया है। हालांकि, इस कंपनी और ग्लोबेरेना टेक्नोलॉजीज के बीच संबंधों को लेकर विश्वविद्यालय का रुख विरोधाभासी बताया जा रहा है। एक ओर प्रशासन दोनों कंपनियों को अलग बताता है, वहीं दूसरी ओर कोएम्ट की पात्रता साबित करने के लिए ग्लोबेरेना के अनुभव को स्वीकार किया गया है। संगठन का कहना है कि यदि दोनों कंपनियां अलग हैं, तो दूसरी कंपनी के अनुभव का लाभ देना नियमों के खिलाफ है। वहीं यदि दोनों के बीच संबंध है और ग्लोबेरेना पर पहले ब्लैकलिस्टिंग या विवाद रहे हैं, तो कोएम्ट का 'ब्लैकलिस्टेड न होने' का शपथपत्र संदिग्ध बन जाता है।

जांच में पारदर्शिता की मांग

एनएसयूआई ने मांग की है कि दोनों कंपनियों के संबंधों की स्वतंत्र जांच कराई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि कोएम्ट को ग्लोबेरेना के अनुभव का लाभ किस आधार पर दिया गया। साथ ही, बाहरी विशेषज्ञों, कानूनी जानकारों और छात्र प्रतिनिधियों को शामिल कर एक स्वतंत्र जांच समिति गठित करने की भी मांग की गई है।

मुंबई में 'भजन जैमिंग' का जादू, युवाओं ने भक्ति और म्यूजिक का अनोखा संगम किया महसूस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भाजयुमो मुंबई द्वारा आयोजित 'लाइव भजन जैमिंग' कॉन्सर्ट ने शहर में भक्ति और आधुनिक संगीत का अनोखा संगम पेश किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया और पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। कार्यक्रम में 'रहस्य – द म्यूजिकल प्रोजेक्ट' (पूर्व में 'साधो द बैंड') ने पारंपरिक भजनों को आधुनिक धुनों के साथ प्रस्तुत किया। इस फ्यूजन ने युवाओं को खासा आकर्षित किया और दर्शक भजनों की धुन पर झूमते नजर आए। तालियों और जयकारों के बीच कार्यक्रम ने एक बड़े सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले लिया।

युवाओं को संस्कृति से जोड़ने की पहल

आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी, खासकर जेन जेड को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक जड़ों से जोड़ना था। Deven-dra Fadnavis के मार्गदर्शन और Amit Satam के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि आधुनिकता और परंपरा साथ-साथ चल सकती हैं।

दिग्गजों की मौजूदगी

कार्यक्रम में मंत्री आशीष शेलार, महापौर रितु तावड़े और अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। भाजयुमो मुंबई अध्यक्ष दीपक सिंह ने कहा कि यह मंच युवा ऊर्जा और भक्ति के संगम का प्रतीक है।

पुणे मनपा ड्रेनेज प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार के आरोप, जांच की मांग तेज

डीबीडी संवाददाता | पुणे

पुणे महानगरपालिका के ड्रेनेज विभाग में पिछले चार वर्षों के दौरान हुए भारी खर्च को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व विपक्षी नेता उज्ज्वला केसकर, सुहास कुलकर्णी और पूर्व नगरसेवक प्रशांत बधे ने विभाग पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन नेताओं ने मामले की गहन जांच के लिए 'नैमित्तिक समिति' (विशेष आकस्मिक समिति) गठित करने की मांग की है। इस संबंध में महापौर मंजुषा नागपुरे को विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा गया है।

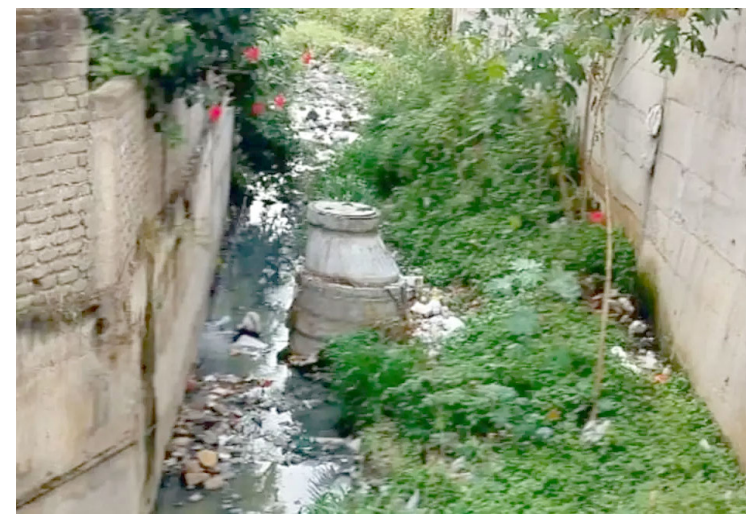

3000 करोड़ खर्च पर सवाल

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि ड्रेनेज कार्यों पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जो संदिग्ध है। बताया गया कि प्रशासक राज के दौरान विभाग का वार्षिक बजट करीब 750 करोड़ रुपये था, लेकिन चार वर्षों में यह खर्च कई गुना बढ़ गया।

JICA परियोजना और बजट पर आपत्ति

जायका (JICA) परियोजना के तहत चालू वर्ष के अंत तक करीब 900 करोड़ रुपये खर्च दिखाए जाने का दावा किया गया है। साथ ही, अन्य विकास कार्यों के बजट में कटौती कर ड्रेनेज के लिए 289 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान करने पर भी सवाल उठाए गए हैं।

कई इलाकों में जल निकासी व्यवस्था बदहाल

आरोपों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद शहर के कई हिस्सों, खासकर मनपा में शामिल नए गांवों में जल निकासी व्यवस्था अभी भी कमजोर बनी हुई है। ड्रेनेज प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर खर्च और उसके परिणामों को लेकर उठे सवालों ने पुणे की राजनीति और प्रशासन दोनों में हलचल बढ़ा दी है। अब सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि जांच समिति का गठन होता है या नहीं और आगे इस मामले में क्या कार्रवाई होती है।

बाढ़ नियंत्रण निधि के उपयोग पर सवाल

ज्ञापन में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय बाढ़ नियंत्रण अभियान के तहत दी गई 280 करोड़ रुपये की निधि के उपयोग पर भी आपत्ति जताई गई है। आरोप है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवंटित 125 करोड़ रुपये के खर्च का स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है।

संपादकीय

भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' का नया अध्याय

इतिहास गवाह है कि जब-जब दुनिया दो महाशक्तियों के बीच बँटी है, तब-तब मध्यम और उभरती हुई शक्तियों की संप्रभुता पर संकट के बादल मँडराए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में जो संदेश दिया, वह केवल एक कूटनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि 21वीं सदी की नई विश्व व्यवस्था का घोषणापत्र है। उनका यह कहना कि दुनिया के देशों को अमेरिका या चीन का 'जागीरदार' नहीं बनना चाहिए, भारत के उस मौलिक सिद्धांत की गूँज है जिसे हम 'रणनीतिक स्वायत्तता' कहते हैं। आज के दौर में, जहाँ एक ओर बीजिंग का विस्तारवाद है और दूसरी ओर वाशिंगटन की अनिश्चितता, वहाँ भारत और फ्रांस जैसे देशों के लिए 'तीसरे विकल्प' का निर्माण अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन गया है। मैक्रों का यह संबोधन उस समय आया है जब वैश्विक राजनीति एक संक्रमण काल से गुजर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति और नाटो जैसे पुराने गठबंधनों पर उनकी तीखी टिप्पणियों ने वैश्विक स्थिरता की उन 'निश्चितताओं' को हिला दिया है जो दशकों से कायम थीं। दूसरी ओर, चीन की आर्थिक और सैन्य शक्ति का बढ़ता प्रभाव कई देशों को उसकी निर्भरता के जाल में फंसा रहा है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। हिमालय की सीमाओं पर चीन के साथ जारी गतिरोध और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी बढ़ती आक्रामक गतिविधियों के बीच, भारत को एक ऐसे साथी की तलाश रही है जो उसकी संप्रभुता का सम्मान करे और उसे किसी 'कैंप' का हिस्सा बनने के लिए मजबूर न करे। मैक्रों द्वारा प्रस्तावित 'स्वतंत्रता गठबंधन' में भारत को एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में देखना यह दर्शाता है कि दुनिया अब भारत की क्षमता को पहचान चुकी है। भारत ने हमेशा से यह माना है कि कूटनीति केवल 'पावर' का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक 'रिस्पॉन्सिबिलिटी' (जिम्मेदारी) है। मैक्रों का यह तर्क कि केवल सैन्य अभियानों या बमबारी से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता, भारत की उस शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति का समर्थन करता है जो वार्ता और अंतरराष्ट्रीय कानून को सर्वोपरि मानती है। पश्चिम एशिया के संदर्भ में, जहाँ भारत के हित ईरान और अन्य देशों के साथ गहराई से जुड़े हैं, फ्रांस का संतुलित रुख भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को और अधिक मजबूती से वैश्विक मंच पर रखने का साहस देता है। भारत और फ्रांस के बीच का रक्षा सहयोग केवल व्यापारिक नहीं है, बल्कि यह 'रणनीतिक विश्वास' पर आधारित है। परमाणु ऊर्जा से लेकर अंतरिक्ष और अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों तक, फ्रांस ने हमेशा भारत की 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भरता की आकांक्षाओं का समर्थन किया है। मैक्रों द्वारा अपनी परमाणु सुरक्षा छतरी के विस्तार की बात करना और यूरोपीय रक्षा बजट में वृद्धि, इस बात का संकेत है कि पेरिस अब वाशिंगटन पर अपनी सुरक्षा निर्भरता को कम करना चाहता है। यह बदलाव भारत के लिए भी एक अवसर है कि वह फ्रांस के साथ मिलकर एक ऐसी बहु-ध्रुवीय दुनिया की नींव रखे, जहाँ किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो। अंततः, सियोल से आया यह संदेश भारत के लिए एक कूटनीतिक आह्वान है। यह समय किसी के पीछे चलने का नहीं, बल्कि कंधे से कंधा मिलाकर नेतृत्व करने का है। लोकतंत्र, जलवायु परिवर्तन और अंतरराष्ट्रीय कानून जैसे साझा मूल्यों पर आधारित यह नया गठबंधन न केवल चीन के प्रभुत्व को संतुलित करेगा, बल्कि अमेरिका की बदलती प्राथमिकताओं के बीच एक स्थिर ध्रुव का कार्य करेगा। भारत को मैक्रों के इस 'स्वतंत्रता गठबंधन' को एक नई वैश्विक व्यवस्था के निर्माण के अवसर के रूप में देखना चाहिए—एक ऐसी व्यवस्था जहां विकास और संप्रभुता किसी के 'जागीरदार' बनने की शर्त पर न टिकी हो। अब समय आ गया है कि नई दिल्ली और पेरिस मिलकर इस 'तीसरे रास्ते' को वैश्विक कूटनीति का मुख्य मार्ग बनाएं।

शख्सियत | रफ़ी अहमद किदवई

सेवा, सादगी और समर्पण की प्रेरक गाथा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल संघर्ष की कहानी नहीं है, बल्कि यह उन महान व्यक्तित्वों की गाथा भी है, जिन्होंने अपने जीवन को राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे ही एक प्रेरणादायक नेता थे रफ़ी अहमद किदवई, जिनका जीवन त्याग, ईमानदारी और जनसेवा का अद्भुत उदाहरण है।

रफ़ी अहमद किदवई का जन्म 6 अप्रैल 1894 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में हुआ था। उनका बचपन एक साधारण परिवार में बीता, जहां उन्होंने प्रारंभ से ही सादगी, अनुशासन और परोपकार के संस्कार सीखे। विद्यार्थी जीवन में वे तेजस्वी और संवेदनशील माने जाते थे। वे अपने साथियों की मदद करने और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए जाने जाते थे। यही गुण आगे चलकर उनके सार्वजनिक जीवन की पहचान बने। महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलन से प्रेरित होकर उन्होंने सक्रिय भागीदारी की। असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा जैसे आंदोलनों में उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कई बार जेल गए, कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन उनके हौसले कभी नहीं टूटे। उनके भीतर देश को स्वतंत्र देखने की प्रबल इच्छा थी, जो हर चुनौती के साथ और मजबूत होती गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी उनका जीवन सेवा के मार्ग पर ही चलता रहा। वे भारत सरकार में संचार मंत्री बने और बाद में खाद्य एवं कृषि मंत्री के रूप में कार्य किया। उस समय देश गंभीर खाद्यान्न संकट से गुजर रहा था। किदवई ने इस चुनौती को केवल प्रशासनिक समस्या नहीं माना, बल्कि इसे जनता के जीवन से जुड़ी पीड़ा के रूप में समझा। उन्होंने वितरण व्यवस्था को मजबूत करने, अनाज की उपलब्धता बढ़ाने और जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए।

उनके जीवन का एक प्रसंग जवाहरलाल नेहरू के साथ जुड़ा हुआ है। एक बार सरकार में एक महत्वपूर्ण नीति पर चर्चा हो रही थी। कई नेता अपने-अपने विचार रख रहे थे, लेकिन किदवई ने निर्भीक होकर अपनी अलग राय प्रस्तुत की। नेहरू ने उनकी बात को गंभीरता से सुना और उनकी स्पष्टवादिता की सराहना की। यह घटना उनके साहस और सिद्धांतों के प्रति निष्ठा को दर्शाती है। एक अन्य प्रसंग में एक गरीब किसान उनसे मिलने आया और अपनी खराब फसल और आर्थिक संकट की बात कही। किदवई ने उसकी समस्या को गंभीरता से लिया और तुरंत अधिकारियों को सहायता के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने स्वयं यह सुनिश्चित किया कि किसान को समय पर मदद मिले। कुछ दिनों बाद उन्होंने उस किसान की स्थिति की जानकारी लेकर संतोष व्यक्त किया कि उसे राहत मिल चुकी है। रफ़ी अहमद किदवई के बारे में एक बात विशेष रूप से विख्यात थी—उनकी दरियादिली और खुला दिल। कहा जाता है कि उनके घर के दरवाजे हमेशा जरूरतमंदों के लिए खुले रहते थे। कोई भी व्यक्ति बिना झिझक उनके पास अपनी समस्या लेकर पहुंच सकता था। वे बिना भेदभाव के लोगों की सहायता करते थे और कई बार अपनी व्यक्तिगत जरूरतों को भी पीछे छोड़ देते थे। यही कारण था कि वे आम जनता के बीच अत्यंत प्रिय और भरोसेमंद नेता माने जाते थे।

सच्ची सामाजिकता की ओर वापसी

सुजाता मुरकर

सोशल वर्कर हैं और सीएसआर के अंतर्गत फंड रेज़िंग का लंबा अनुभव है।

> जब तक हमारी आत्मा दूसरे के भले के बारे में नहीं सोचती, तब तक हमारे सामाजिक होने का कोई वास्तविक अर्थ नहीं है। सामाजिकता की पहली सीढ़ी संवेदनशीलता है। यह विडंबना ही है कि हम डिजिटल मंचों पर वैश्विक समस्याओं पर लंबे लेख लिखते हैं, लेकिन अपने पड़ोस में अकेले रह रहे बुजुर्ग की खैरियत पूछने का वक्त हमारे पास नहीं होता। असली परोपकार वह है जो बिना किसी प्रशंसा की इच्छा के किया जाए।

आज के दौर में जब मैं अपने आसपास नजर दौड़ाती हूं, तो एक अजीब-सा विरोधाभास दिखाई देता है। तकनीक ने हमें पूरी दुनिया से जोड़ तो दिया है, लेकिन मानवीय संवेदनाओं के धरातल पर हम एक-दूसरे से मीलों दूर हो गए हैं। 'सोशल' होना आज एक फैशन स्टेटमेंट बन चुका है, जबकि वास्तविकता में सामाजिकता हमारी आत्मा का सहज और स्वाभाविक गुण होना चाहिए। हम बाहरी तौर पर तो बहुत सक्रिय दिखते हैं, लेकिन हमारे भीतर की वह आत्मीयता कहीं खो गई है जो कभी बिना किसी स्वार्थ या दिखावे के दूसरों के लिए धड़कती थी।

वर्तमान समाज में किसी की मदद करना या किसी सामाजिक कार्य से जुड़ना अब सेवा से ज्यादा एक 'इवेंट' बन गया है। सोशल मीडिया के इस युग में लोग किसी जरूरतमंद को कुछ देने से पहले कैमरे की व्यवस्था करते हैं। यहां मंशा सामने वाले का दुख दूर करने की कम और अपनी 'नेक' छवि को दुनिया के सामने पेश करने की ज्यादा होती है। जब तक हमारी भलाई की तस्वीर इंटरनेट पर साझा नहीं होती, हमें लगता है कि वह काम अधूरा है। यह दिखावा उस पवित्र सेवा भाव को खत्म कर रहा है, जो कभी निस्वार्थ और गुप्त हुआ करता था।

एक समाज सेविका के तौर पर मैंने अनुभव किया है कि जब हम किसी की लाचारी को अपने प्रचार का माध्यम बनाते हैं, तो हम अनजाने में उसके आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाते हैं। सामाजिकता कोई बाहरी आवरण नहीं है जिसे हम अपनी सुविधानुसार ओढ़ लें, बल्कि यह तो वह करुणा है जो हृदय से स्वतः स्फुटित होती है। यदि किसी की पीड़ा देखकर हमारे मन में वास्तविक टीस नहीं उठती, तो हाथ में थमाई गई मदद की सामग्री महज एक बेजान वस्तु है। बिना संवेदना के किया गया कोई भी सामाजिक कार्य आत्मा से शून्य होता है। आजकल 'सोशल' होना एक स्टेटस सिंबल बन गया है, जहां बड़े-बड़े क्लबों और चैरिटी कार्यक्रमों का हिस्सा बनना आधुनिकता की पहचान मान लिया गया है। लोग भूल गए हैं कि सच्ची सामाजिकता भीड़ का हिस्सा बनने में नहीं, बल्कि उस भीड़ में सबसे पीछे खड़े और सबसे कमजोर व्यक्ति का हाथ थामने में है। विचारों में गहराई की जगह अब उधार की बौद्धिकता ने ले ली है और भावनाएं प्रदर्शन की वस्तु बन गई हैं। जब तक सामाजिकता हमारे स्वभाव और दिनचर्या का हिस्सा नहीं बनती, तब तक यह महज एक फैशन का मुखौटा ही बनी रहेगी।

जब तक हमारी आत्मा दूसरे के भले के बारे में नहीं सोचती, तब तक हमारे सामाजिक होने का कोई वास्तविक अर्थ नहीं है। सामाजिकता की पहली सीढ़ी संवेदनशीलता है। यह विडंबना ही है कि हम डिजिटल मंचों पर वैश्विक समस्याओं पर लंबे लेख लिखते हैं, लेकिन अपने पड़ोस में अकेले रह रहे बुजुर्ग की खैरियत पूछने का वक्त हमारे पास नहीं होता। असली परोपकार वह है जो बिना किसी प्रशंसा की इच्छा के किया जाए। जैसे एक मां अपने बच्चे का पालन निस्वार्थ भाव से करती है, समाज के प्रति भी हमारा कर्तव्य वैसा ही सहज और समर्पित होना चाहिए। दिखावे की इस संस्कृति ने रिश्तों में एक खालीपन और अकेलापन भर दिया है। आज हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद लोग मानसिक तनाव और अकेलेपन का शिकार हैं, क्योंकि उनके पास अपनी बात कहने के लिए एक भी सच्चा और आत्मीय मित्र नहीं है। दिखावा रिश्तों में कड़वाहट लाता है क्योंकि इसकी नींव झूठ पर टिकी होती है। हमें फिर से उस सादगी की ओर लौटना होगा जहां संवाद सीधा हो, मदद गुमनाम हो और सेवा का उद्देश्य केवल आत्मिक संतोष हो, न कि कोई राजनैतिक या व्यक्तिगत लाभ।

आज विश्व स्तर पर भी इस संवेदनशीलता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार दुनिया की लगभग 10 प्रतिशत आबादी आज भी अत्यधिक गरीबी में जीवन जी रही है, जबकि करोड़ों लोग भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। अकेलेपन को भी एक वैश्विक संकट माना जा रहा है, जहां हर तीन में से एक व्यक्ति स्वयं को सामाजिक रूप से अलग-थलग महसूस करता है। ऐसे में सच्ची सामाजिकता केवल एक नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की आवश्यकता बन गई है। यदि हम अपनी संवेदनाओं को जागृत करें, तो यह छोटी-छोटी मानवीय पहलें ही विश्व को अधिक मानवीय और संतुलित बना सकती हैं। हमें यह समझना होगा कि समाज हमसे है और हम समाज से हैं। सामाजिकता कोई ऐसी चीज नहीं जिसे हम दूसरों को दिखाने के लिए अपनाएं, बल्कि यह वह डोर है जो संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में पिरोती है। यदि हम अपनी आत्मा को इस तरह तैयार करें कि वह दूसरों के दुख को अपना समझे और उनकी उन्नति में प्रसन्न हो, तभी हम सही मायनों में सामाजिक कहलाने के अधिकारी हैं। आइए, दिखावे के इस शोर को शांत कर अपनी आत्मा की उस सहज रोशनी को जगाएं जो बिना किसी विज्ञापन के समाज के अंधेरे को दूर करने की शक्ति रखती है।

हमारी गीता

शोक और मोह का वास्तविक अर्थ

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित "धर्मसम्मूढचेताः" की अवस्था मनुष्य की सबसे गहरी मानसिक उलझन को दर्शाती है। जब मन धर्म के विषय में भ्रमित हो जाता है, तब व्यक्ति सही और गलत का निर्णय नहीं कर पाता। यही स्थिति अर्जुन की भी थी, जब वह युद्धभूमि में शोक और मोह से ग्रस्त होकर विचलित हो गया। धैर्यवान और पराक्रमी अर्जुन का मन इतना व्याकुल हुआ कि उसने अपना धनुष तक छोड़ दिया। यह केवल बाहरी कमजोरी नहीं, बल्कि आंतरिक भ्रम की स्थिति थी। शोक और मोह, ये दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं, परंतु एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। शोक का संबंध किसी वास्तविक घटना या पीड़ा से होता है। जैसे शरीर को चोट लगे तो मरहम लगाया जाता है, बुखार आए तो दवा ली जाती है, कोई वस्तु चोरी हो जाए तो पुलिस की सहायता ली जाती है। इन सभी स्थितियों में कोई न कोई कर्म करना आवश्यक होता है, क्योंकि समस्या वास्तविक है और उसका समाधान भी कर्म के माध्यम से ही संभव है। इसके विपरीत, मोह एक मानसिक भ्रम है। जैसे अंधेरे में पड़ी हुई रस्सी को सर्प समझ लेना और उससे डर जाना। उस समय व्यक्ति घबराता है, चिल्लाता है, लाठी खोजता है या किसी को बुलाने का प्रयास करता है। परंतु वास्तव में वहां सर्प होता ही नहीं, केवल अज्ञान के कारण भ्रम उत्पन्न होता है। ऐसे में न लाठी की आवश्यकता होती है, न किसी बाहरी उपाय की। केवल थोड़ा प्रकाश डालने से सत्य स्पष्ट हो जाता है कि वह सर्प नहीं, रस्सी है। इसी प्रकार मोह से उत्पन्न शोक भी वास्तविक नहीं होता, वह केवल मन की कल्पना और भ्रम होता है। मानसिक स्थिति के परिवर्तन के लिए बाहरी उपायों की आवश्यकता नहीं होती। यह कोई शारीरिक रोग नहीं है कि उस पर दवा या मरहम लगाया जाए। इसका उपाय केवल ज्ञान है, सही समझ है। जब मन को सही दिशा में समझाया जाता है, तब भ्रम स्वतः समाप्त हो जाता है। हमारा अधिकांश जीवन इसी मोह से प्रभावित होता है। हम दुःख, भय और चिंता में घिरे रहते हैं, क्योंकि हम सत्य को नहीं पहचान पाते। अज्ञान के कारण हम सत् को असत् और असत् को सत् मान बैठते हैं। जैसे छोटे बच्चे आनंद से खेलते रहते हैं, लेकिन माता मोहवश अनावश्यक चिंता करती रहती है। यह चिंता वास्तविक नहीं, बल्कि मोह का परिणाम होती है।

जीवन ऊर्जा | जन्म: जेम्स डी. वाटसन : जन्म 6 अप्रैल 1928

सफलता उन्हीं को मिलती है, जो हार नहीं मानते

> जेम्स डी. वाटसन एक प्रसिद्ध अमेरिकी वैज्ञानिक हैं, जिनका जन्म 6 अप्रैल 1928 को हुआ। उन्होंने फ्रांसिस क्रिक के साथ मिलकर डीएनए की डबल हेलिक्स संरचना की खोज की। इस महत्वपूर्ण खोज के लिए उन्हें 1962 में नोबेल पुरस्कार मिला। उनका कार्य आधुनिक जीवविज्ञान और आनुवंशिकी के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

जिज्ञासा ही महान खोजों की शुरुआत होती है। विज्ञान में सफलता उन्हीं को मिलती है, जो सवाल पूछते हैं। अगर आप अलग सोचते हैं, तभी कुछ नया कर सकते हैं। गलतियां करना सीखने का सबसे अच्छा तरीका है। बड़े सपने देखने वालों के लिए कोई सीमा नहीं होती। विज्ञान में धैर्य सबसे बड़ा गुण है। हर खोज के पीछे अनगिनत असफलताएं छिपी होती हैं। ज्ञान ही असली शक्ति है। जो जोखिम नहीं उठाता, वह खोज नहीं कर सकता। सफलता उन्हीं को मिलती है, जो हार नहीं मानते। नए विचार ही दुनिया को आगे बढ़ाते हैं। सीखना कभी बंद नहीं होना चाहिए। जिज्ञासा को जिंदा रखिए, यही आपको आगे ले जाएगी। सवाल पूछना ही बुद्धिमत्ता की निशानी है। हर समस्या में एक अवसर छिपा होता है। विज्ञान में कोई भी खोज अंतिम नहीं होती। कठिनाइयां ही आपको मजबूत बनाती हैं। अगर आप असफल नहीं हो रहे, तो आप कुछ नया नहीं कर रहे। सच्चा वैज्ञानिक हमेशा सीखता रहता है। खोज की राह में साहस जरूरी है। अच्छे विचार कभी भी कहीं से आ सकते हैं। विज्ञान कल्पना और तर्क का मेल है। अपनी जिज्ञासा को कभी मरने मत दीजिए। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। हर दिन कुछ नया सीखने का अवसर है। विचारों की स्वतंत्रता ही नवाचार लाती है। कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। हर असफलता आपको सफलता के करीब ले जाती है। सवाल पूछने से कभी मत डरिए। जो सीखता है, वही आगे बढ़ता है।

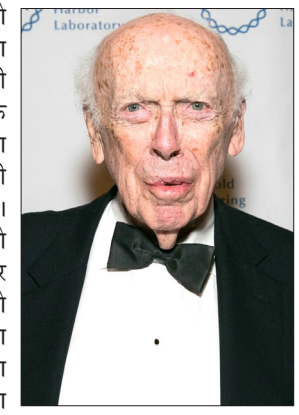

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

एकादशी : आत्मशुद्धि, भक्ति और संयम का दिव्य पर्व

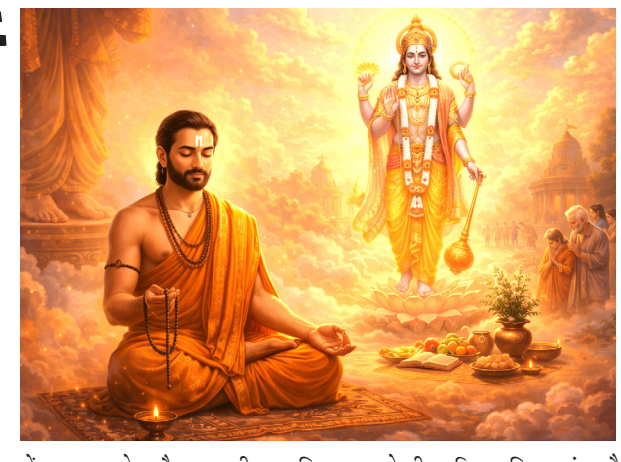

भारतीय सनातन परंपरा में एकादशी का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह व्रत प्रत्येक माह में दो बार, शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि को आता है। एकादशी का दिन भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है और इसे आत्मशुद्धि, संयम और भक्ति का विशेष अवसर समझा जाता है। इस दिन उपवास, पूजा और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी व्रत का संबंध केवल बाहरी अनुष्ठानों से नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धि से भी है। पुराणों में वर्णित है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु का स्मरण करने से मनुष्य के पाप क्षीण होते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। यह व्रत व्यक्ति को आत्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एकादशी के पीछे एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है, जिसके अनुसार एकादशी देवी का प्राकट्य भगवान विष्णु के शरीर से हुआ था। उन्होंने असुरों का नाश किया और धर्म की रक्षा की। तभी से इस तिथि को पवित्र और पापों का नाश करने वाली माना जाता है। यह कथा इस व्रत के महत्व को और भी गहराई से स्थापित करती है। एकादशी का महत्व केवल धार्मिक दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी पहलू भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपवास रखने से शरीर को विश्राम मिलता है और पाचन तंत्र को संतुलन प्राप्त होता है। यह शरीर के विषैले तत्वों को बाहर निकालने में सहायक होता है। साथ ही, मानसिक रूप से भी व्यक्ति अधिक शांत और एकाग्र महसूस करता है। इस दिन सात्विकता का विशेष महत्व होता है। लोग अनाज का त्याग कर फल, दूध और हल्का आहार ग्रहण करते हैं। इसके साथ ही भजन-कीर्तन, कथा श्रवण और ध्यान जैसे कार्यों में समय बिताते हैं। यह सब मिलकर व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और उसे आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाते हैं। एकादशी हमें संयम और अनुशासन का पाठ भी सिखाती है। आज के भौतिकवादी युग में, जहां इच्छाएं और भोग की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, यह व्रत हमें आत्मनियंत्रण का महत्व समझाता है। यह सिखाता है कि सच्चा सुख बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और शांति में निहित है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच भी एकादशी का महत्व बना हुआ है। यह दिन व्यक्ति को आत्मचिंतन का अवसर प्रदान करता है, जिससे वह अपने जीवन के उद्देश्य को समझ सके और उसे सही दिशा दे सके। यह केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का माध्यम है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

मंगलवार को ईरान में एक ही दिन में ऊर्जा संयंत्र दिवस और पुल दिवस मनाया जाएगा। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। जलडमरूमध्य खोल दें, पागलों, वरना नरक में जाओगे- देखते रहिए। अल्लाह से प्रार्थना करिए।

– डोनाल्ड ट्रंप
राष्ट्रपति, अमेरिका

अशोक खरात मामले में सीडीआर लीक की पूरी जांच होगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कॉल डिटेल रिकॉर्ड तक पहुंच का अधिकार केवल अधिकृत एजेंसियों को है।

–देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

जनता जिसे भी टीएमसी के कुशासन के खिलाफ एक योद्धा के रूप में पहचानेगी, जीत के बाद वह पार्टी का चेहरा बन सकता है। भाजपा किसी को भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं करती है।

–समीक भट्टाचार्य
भाजपा नेता

प्रधानमंत्री कहते हैं कि यदि लोकसभा की ताकत 50% बढ़ाई जाती है और प्रत्येक राज्य की लोकसभा सीटों की संख्या भी 50% बढ़ाई जाती है, तो दक्षिण भारतीय राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा।

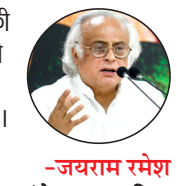

–जयराम रमेश
कांग्रेस, महासचिव

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

पालघर जिले में ट्रक चालक हमले में गंभीर रूप से घायल

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित एक होटल में हुए विवाद के बाद कुछ लोगों ने ट्रक चालक पर कथित रूप से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि मनोर थाना क्षेत्र अंतर्गत वाडा खड़कोना स्थित एक होटल में शनिवार शाम यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि ट्रक चालक दानिश खान (30) दोपहर के भोजन के लिए होटल में रुका था, जहां से निकलने के बाद उसे एहसास हुआ कि वह अपने ट्रक की चाबी वहीं भूल गया है और उसे लेने के लिए वह वापस लौटा। अधिकारी ने कहा,'चाबी को लेकर मामूली विवाद हाथापाई में बदल गया। होटल में मौजूद कुछ लोगों ने चालक पर कथित तौर पर हमला कर दिया। यह भी आरोप है कि हमले के दौरान उस पर पेट्रोल डाल दिया गया।'पुलिस ने बताया कि खान को गंभीर चोटें आईं और उसे मनोर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।अधिकारी ने कहा कि होटल के प्रबंधक मनोज सिंह और दिनेश सिंह को हिरासत में ले लिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र में हादसों का 'ब्लैक डे': रायगढ़ से पुणे-जलगांव तक कई जानें गईं, दर्जनों घायल

मुंबई/रायगढ़/पुणे/जलगांव। महाराष्ट्र में अलग-अलग जिलों में हुए सड़क और हादसों की श्रृंखला ने एक ही दिन में कई परिवारों को गम में डुबो दिया। रायगढ़, पुणे और जलगांव में हुए इन हादसों में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हैं। रायगढ़ के अलिबाग-वडखळ मार्ग पर धरमतर खाड़ी के पास आयशर टेम्पो ने सड़क किनारे खड़े कंटेनर को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में संदेश कृष्णा तेलगे (35) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुणे के कोंढवा इलाके में टैंकर की टक्कर से 18 वर्षीय अरिज शेख की जान चली गई। हादसे के बाद पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुणे के तलेगांव स्थित इंदुरी क्षेत्र में बास्केटबॉल रिंग पर पुश-अप करते समय लोहे की रिंग गिरने से बीटेक छात्र विपुल वर्मा की मौत हो गई। इस घटना के बाद कॉलेज परिसर में छात्रों में भारी आक्रोश देखा गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। जलगांव जिले के अमलनेर तहसील में एक पिकअप वैन ट्रक को बचाने के दौरान पलट गई। इस हादसे में 11 लोग घायल हुए, जिनमें से 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

'दत्ताभाऊ' को श्रद्धांजलि: नागपुर-वर्धा में बनेंगे भव्य स्मारक, CM फडणवीस का ऐलान

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वरिष्ठ नेता स्वर्गीय दत्ता मेघे को याद करते हुए उन्हें "सच्चे लोकनेता" और "गरीबों के मसीहा" बताया। वीसीए जामठा में आयोजित सर्वदलीय शोकसभा में उन्होंने घोषणा की कि नागपुर और वर्धा में दत्ताभाऊ के भव्य स्मारक बनाए जाएंगे।

'दाता' भाऊ थे दत्ता मेघे

सीएम फडणवीस ने कहा कि लोग उन्हें 'दत्ताभाऊ' कहते थे, लेकिन वे वास्तव में 'दाता' भाऊ थे। उन्होंने हमेशा समाज के वंचित, बहुजन और गरीब वर्ग के लिए काम किया। शिक्षा, स्वास्थ्य और सहकार जैसे क्षेत्रों में उन्होंने मजबूत संस्थाएं खड़ी कीं और गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया।

'दुर्लभ व्यक्तित्व' थे दत्ताभाऊ: नितिन गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दत्ता मेघे को राजनीति का "दुर्लभ व्यक्तित्व" बताया। उन्होंने कहा कि राजनीति में रहते हुए भी उन्होंने समाजसेवा को सर्वोपरि रखा। गडकरी ने एक भावुक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि कैसे दत्ताभाऊ ने एक गरीब सब्जी विक्रेता के बेटे को इंजीनियरिंग की पढ़ाई का मौका दिलाया, जिससे उसका पूरा जीवन बदल गया।सभा में मौजूद अन्य नेताओं ने भी दत्ता मेघे के योगदान को याद किया और कहा कि वे हर जरूरतमंद के साथ मजबूती से खड़े रहते थे। उनके जीवन के ऐसे असंख्य उदाहरण हैं, जहां उन्होंने लोगों की जिंदगी बदलने का काम किया। इस श्रद्धांजलि सभा में कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और मेघे परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

स्मारकों से आगे बढ़ेगी सेवा की परंपरा

फडणवीस ने कहा कि नागपुर और वर्धा में बनने वाले स्मारक सिर्फ श्रद्धांजलि नहीं होंगे, बल्कि उनके विचारों और जनसेवा की विरासत को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेंगे। इससे आने वाली पीढ़ियां उनके कार्यों से प्रेरणा लेंगी।

नाशिक में ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला

यूट्यूबर से 12 लाख की मांग, 4 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । नाशिक

महाराष्ट्र के नाशिक में ब्लैकमेलिंग और यौन शोषण से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक यूट्यूबर को आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 12 लाख रुपये की मांग की गई। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित यूट्यूबर रविंद्र गणपत एरंडे (63) ने शिकायत दर्ज कराई कि उसका पूर्व कर्मचारी आकाश बकरे उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांग रहा था। आरोपी ने 'सैंपल' के तौर पर कुछ तस्वीरें भेजकर 10 हजार रुपये भी वसूल लिए थे।

हार्ड डिस्क में मिले 121 आपत्तिजनक वीडियो

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि एरंडे के पास एक हार्ड डिस्क में करीब 121 आपत्तिजनक वीडियो और फोटो मौजूद थे। यह हार्ड डिस्क कथित तौर पर आरोपी कर्मचारी ने चुराई थी, जिसके बाद उसने ब्लैकमेलिंग शुरू की।बताया जा रहा है कि आरोपी को ऑफिस के कंप्यूटर में एक 'हिडन फोल्डर' मिला था, जिसमें महिलाओं के साथ बनाए गए वीडियो और तस्वीरें सेव थीं। इसी के आधार पर उसने एरंडे को धमकाकर बड़ी रकम मांगनी शुरू की। पुलिस ने संभावित पीड़ित महिलाओं से आगे आकर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर काउंसलिंग की सुविधा भी दी जाएगी।

शोभायात्रा से लापता 14 साल के बच्चे की हत्या, 36 घंटे बाद बोरे में मिला शव

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

नागपुर में हनुमान जयंती की शोभायात्रा से लापता हुए 14 वर्षीय अथर्व ननोरे की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। बच्चे का शव 36 घंटे बाद बोरे में बंधा हुआ मिला, जिसमें उसके हाथ-पैर भी बंधे हुए थे।

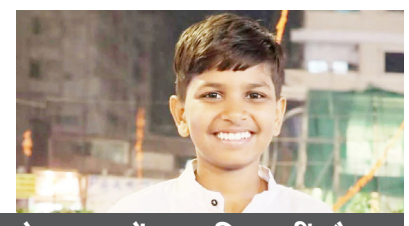

शोभायात्रा में गया, फिर नहीं लौटा

अथर्व 2 अप्रैल की शाम गिट्टीखदान इलाके में स्थित हनुमान मंदिर से शोभायात्रा में शामिल होने गया था। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। परिवार ने काफी तलाश के बाद पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

36 घंटे बाद मिला शव

शनिवार शाम करीब 5 बजे नागपुर जिले के कलमेश्वर तहसील के भरतवाड़ा गांव के पास उसका शव बोरे में मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पहले बच्चे का गला घोंटा गया और फिर शव को बोरे में बांधकर फेंक दिया गया। घटना से गुस्साए लोगों ने गिट्टीखदान पुलिस थाने का घेराव किया और हनुमान मंदिर के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

हत्या का मामला दर्ज, जांच तेज

पुलिस ने अपहरण और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और हत्या के पीछे की वजह का खुलासा किया जाएगा।मासूम की इस निर्मम हत्या ने शहर में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

16 में शादी, 17 में मौत: बीड में नाबालिग लड़की का शव कुएं में मिला

डीबीडी संवाददाता । बीड

महाराष्ट्र के बीड जिले में एक नाबालिग लड़की की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है, जिसने कानून और समाज दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 17 वर्षीय लड़की का शव धारूर तहसील के एक कुएं से बरामद किया गया है। वह पिछले तीन दिनों से लापता थी। पुलिस के मुताबिक, लड़की के पिता ने धारूर थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रविवार को तलाश के दौरान उसका शव कुएं में मिला, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

बाल विवाह का मामला बन सकता है

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मौत के समय लड़की की उम्र 17 साल 10 महीने थी। ऐसे में यदि शादी की पुष्टि होती है, तो यह बाल विवाह निषेध कानून का उल्लंघन होगा। इस स्थिति में लड़की के माता-पिता और ससुराल पक्ष, दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा सकता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अंबाजोगाई स्थित स्वामी रामानंद तीर्थ ग्रामीण सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है, जिसमें आत्महत्या, दुर्घटना और अन्य संभावित कारणों को भी ध्यान में रखा गया है।

16 साल की उम्र में हुई थी शादी

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लड़की की शादी करीब एक साल पहले वड़वानी तहसील के एक गांव के युवक से हुई थी। उस समय उसकी उम्र महज 16 वर्ष थी। शादी के बाद वह करीब छह महीने ससुराल में रही, फिर अपने मायके कसारी लौट आई थी। मायके में इतने लंबे समय तक रहने की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पन्ना रत्न: बुद्धि, संतुलन और समृद्धि का हरित प्रतीक

मानव जीवन में रत्न केवल आभूषण नहीं होते, बल्कि वे ऊर्जा, विश्वास और प्रकृति के अद्भुत संतुलन के प्रतीक माने जाते हैं। इन्हीं में से एक है पन्ना—एक ऐसा रत्न जो अपनी हरित आभा के साथ मन, मस्तिष्क और आत्मा को संतुलित करने की क्षमता रखता है। प्राचीन काल से ही पन्ना को ज्ञान, वाणी और सूझबूझ का कारक माना गया है। इसकी शीतलता जहां मानसिक अशांति को शांत करती है, वहीं इसकी चमक जीवन में स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टि का संचार करती है। ज्योतिष, आयुर्वेद और आध्यात्मिक परंपराओं में पन्ना का विशेष स्थान है, जो इसे केवल एक रत्न नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला माध्यम बना देता है।

पन्ने की विशेषताएं और पहचान

पन्ना एक आकर्षक हरे रंग का रत्न है, जिसका रंग हल्के हरे से लेकर गहरे हरे तक होता है। यह प्रायः पारदर्शी या अर्धपारदर्शी होता है। इसकी सबसे महत्वपूर्ण पहचान इसके भीतर दिखाई देने वाली सूक्ष्म रेखाएं या जाले जैसी संरचना होती है, जिसे प्राकृतिक गुण माना जाता है। यदि पन्ना अत्यधिक साफ और बिना किसी आंतरिक बनावट के हो, तो उसके नकली होने की संभावना हो सकती है। असली पन्ना प्रकाश में अपनी विशिष्ट हरित चमक बिखेरता है।

पन्ने की उत्पत्ति

पन्ना विश्व के विभिन्न हिस्सों में पाया जाता है। रूस, अफ्रीका, ब्राजील, पाकिस्तान, अमेरिका और भारत के कुछ क्षेत्रों—विशेषकर अजमेर—में इसकी खदानें प्रसिद्ध हैं। प्रत्येक स्थान से प्राप्त पन्ने की गुणवत्ता, रंग और पारदर्शिता में भिन्नता पाई जाती है, जो उसके मूल्य को प्रभावित करती है।

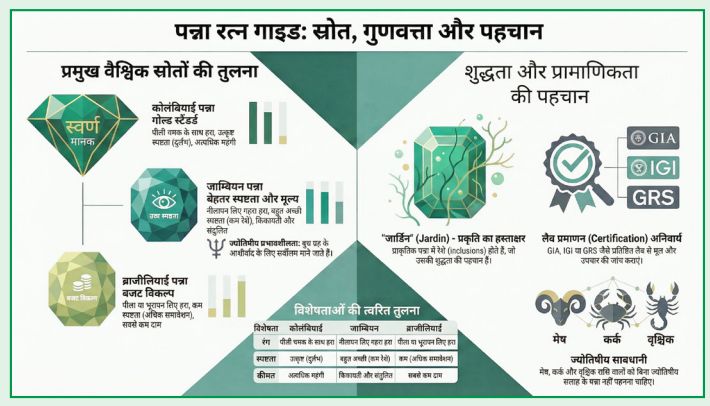

आयुर्वेद में पन्ना

आयुर्वेद में पन्ना को औषधीय गुणों से युक्त माना गया है। इसकी भस्म का उपयोग पाचन शक्ति को सुदृढ़ करने, मानसिक शांति प्रदान करने और शरीर को बल देने में किया जाता है। कुछ परंपराओं में इसे ज्वर, दमा, पीलिया, बवासीर और उल्टी जैसी समस्याओं में भी सहायक माना गया है। हालांकि, इसका प्रयोग केवल अनुभवी वैद्य की देखरेख में ही करना चाहिए।

ज्योतिष में पन्ना का महत्व

ज्योतिष शास्त्र में पन्ना को बुध ग्रह का रत्न माना गया है। यह विशेष रूप से मिथुन और कन्या राशि के जातकों के लिए शुभ फलदायक माना जाता है। पन्ना धारण करने से बुद्धि, वाणी और तर्कशक्ति में वृद्धि होती है। यह मानसिक तनाव को कम करता है, क्रोध पर नियंत्रण लाता है और निर्णय क्षमता को सशक्त बनाता है। साथ ही, इसे नेत्र ज्योति और स्मरण शक्ति के लिए भी लाभकारी माना गया है।

पन्ना धारण करने की विधि

पन्ना धारण करने से पहले उसकी शुद्धता और उपयुक्तता सुनिश्चित करना आवश्यक है। सामान्यतः साढ़े चार रत्ती या उससे अधिक का पन्ना धारण करना उपयुक्त माना जाता है। इसे चांदी या पंचधातु की अंगूठी में जड़वाना चाहिए।

धारण करने की विधि इस प्रकार है:

- बुधवार के दिन प्रातः सूर्योदय से पहले उठें।
- स्नान कर शुद्ध वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थान में बैठकर रत्न को धूप, दीप और पुष्प अर्पित करें।
- अपनी मनोकामना के साथ प्रार्थना करें।
- अंगूठी को दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में धारण करें।

गुणवत्ता और मूल्य

पन्ने की कीमत उसकी शुद्धता, रंग, पारदर्शिता और चमक पर निर्भर करती है। गहरे हरे रंग, अधिक पारदर्शी और कम दोषयुक्त पन्ने अधिक मूल्यवान होते हैं। प्राकृतिक पन्ना हमेशा हल्की आंतरिक बनावट के साथ आता है, जो उसकी असलियत का प्रमाण है।

निष्कर्ष

पन्ना केवल सौंदर्य का प्रतीक नहीं, बल्कि बुद्धि, संतुलन और मानसिक शांति का वाहक है। यदि इसे सही पहचान और विधि के साथ धारण किया जाए, तो यह जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और स्पष्टता लाने में सहायक हो सकता है। परंतु किसी भी रत्न को धारण करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना आवश्यक है, ताकि उसका प्रभाव आपके जीवन में शुभ और संतुलित बना रहे।

वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल

सटीक रत्न परामर्श के लिए वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल (9415038076) से संपर्क किया जा सकता है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे।

वृष स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। चोट व रोग से बाधा संभव है।

मिथुन पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्क घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मीन क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें।

जन्मकुंडली के शक्तिशाली योग और उनके गहरे रहस्यमयी प्रभाव

प्रियंका जैन
97699 94439

वैदिक ज्योतिष में ग्रहों का केवल अलग-अलग प्रभाव ही महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि जब दो या अधिक ग्रह एक साथ आकर विशेष स्थिति बनाते हैं, तब वे "योग" का निर्माण करते हैं। यही योग व्यक्ति के जीवन की दिशा, सोच, सफलता, संघर्ष और आध्यात्मिक स्तर तक को निर्धारित करने की क्षमता रखते हैं। ये योग किसी व्यक्ति को साधारण से असाधारण बना सकते हैं, तो कभी भीतर ऐसी उथल-पुथल भी पैदा कर देते हैं जो उसे जीवन के गहरे सत्य से जोड़ देती है। जन्मकुंडली में बने ये योग केवल भाग्य का खेल नहीं होते, बल्कि ये आत्मा के पिछले कर्मों और वर्तमान जीवन के उद्देश्य का प्रतिबिंब होते हैं।

जब सूर्य और बुध एक साथ आते हैं और बुधादित्य योग बनाते हैं, तो यह केवल बुद्धिमत्ता का संकेत नहीं देता, बल्कि यह उस दिव्य चेतना को दर्शाता है जहां व्यक्ति की सोच में स्पष्टता, निर्णय में तीक्ष्णता और व्यक्तित्व में तेज झलकता है। ऐसे व्यक्ति केवल बातें नहीं करते, बल्कि उनकी हर बात में तर्क और प्रभाव होता है। समाज उन्हें एक मार्गदर्शक के रूप में देखता है, क्योंकि वे जटिल से जटिल समस्याओं को भी सरलता से सुलझाने की क्षमता रखते हैं। यह योग व्यक्ति को नेतृत्व और बौद्धिक श्रेष्ठता की ओर ले जाता है।

गुरु और चंद्रमा का गजकेसरी योग जीवन में एक अदृश्य सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। जब परिस्थितियां बिल्कुल विपरीत हो जाती हैं और सब कुछ खत्म होता हुआ प्रतीत होता है, तब यही योग व्यक्ति को संभाल लेता है। यह केवल भाग्य का साथ नहीं है, बल्कि यह उस आंतरिक विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का परिणाम है जो व्यक्ति को कभी टूटने नहीं देती। ऐसे लोग जीवन में गिरते हैं, लेकिन हर बार और भी मजबूत होकर उठते हैं।

शनि और चंद्रमा का विष योग जीवन में एक अलग ही अनुभव देता है। यह योग व्यक्ति के भीतर एक गहरी संवेदनशीलता और गंभीरता पैदा करता है। ऐसे लोग बाहर से शांत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर भावनाओं का एक महासागर होता है। यह योग व्यक्ति को जल्दी परिपक्व बना देता है, लेकिन इसके साथ ही उसे अकेलेपन और मानसिक दबाव का भी सामना करना पड़ सकता है। फिर भी, यही अनुभव उसे जीवन की सच्चाई को समझने और दूसरों के दर्द को महसूस करने की क्षमता देता है।

शुक्र और मंगल का आकर्षण योग व्यक्ति के व्यक्तित्व को अत्यंत प्रभावशाली बना देता है। यह केवल शारीरिक आकर्षण तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसमें एक चुंबकीय ऊर्जा होती है जो लोगों को अपनी ओर खींचती है। ऐसे लोग जहां भी जाते हैं, वहां उनकी उपस्थिति महसूस की जाती है। यह योग प्रेम, कला, सौंदर्य और जुनून का अद्भुत संगम होता है, जो व्यक्ति को जीवन का आनंद लेने की प्रेरणा देता है।

सूर्य और शनि का संघर्ष योग जीवन में चुनौतियों का संकेत देता है। यह योग व्यक्ति को आसान रास्ता नहीं देता, बल्कि उसे हर कदम पर परीक्षा से गुजरना पड़ता है। लेकिन यही संघर्ष उसे मजबूत बनाता है और उसकी असली पहचान गढ़ता है। ऐसे लोग जीवन में देर से सफलता पाते हैं, लेकिन जब पाते हैं, तो वह स्थायी और सम्मानजनक होती है। यह योग सिखाता है कि मेहनत और धैर्य ही सबसे बड़ी ताकत है।

राहु और चंद्रमा का ग्रहण योग व्यक्ति के मन में एक अनजाना डर और अस्थिरता पैदा कर सकता है। यह योग व्यक्ति को बड़े-बड़े सपने देखने की प्रेरणा देता है, लेकिन साथ ही उसे अंदर से बेचैन भी रखता है। यह द्वंद्व ही उसकी सबसे बड़ी चुनौती और ताकत दोनों बन जाता है। अगर सही दिशा मिले, तो ऐसे लोग असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

सालार मसूद ने ही पहली बार तोड़ा था राम मंदिर: योगी

जो माफिया मिट्टी में मिले, उन्ही की तरह का माफिया था मसूद

महाराजा सुहेलदेव को एक हजार साल बाद मिला उचित सम्मान

एजेंसी । लखनऊ

भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ के स्वर्ण जयंती समारोह के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक नायकों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में कई ऐसे वीर नायक रहे, जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया, लेकिन अब उन्हें पुनः पहचान दिलाने का प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महाराजा सुहेलदेव का उल्लेख करते हुए कहा कि करीब एक हजार वर्षों के बाद उन्हें सम्मान देने की दिशा में ठोस पहल हुई है। उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर सुहेलदेव ने सालार मसूद को पराजित किया था, वहां अब उनके नाम पर स्मारक और आयोजन शुरू किए गए हैं। पहले उस स्थान पर सालार मसूद के नाम से मेला लगता था, लेकिन अब सुहेलदेव के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ा है।

महाराजा सुहेलदेव ने दी खौफनाक मौत

सीएम ने कहा, सालार मसूद भी मिट्टी में मिलने वाले माफियाओं जैसा ही था। सालार मसूद भारत को लूटने आया था। इसने ही सोमनाथ मंदिर को तोड़ा, अयोध्या में पहली बार राम मंदिर को क्षतिग्रस्त किया था। महराज सुहेलदेव उसे उस मौत मारा जो इस्लाम में सबसे खराब मानी जाती है। गर्म लोहे के तवे में बांध जलाया था उसको। इस्लाम में माना जाता है कि इस प्रकार की मौत जहन्नुम में जाने की गारंटी होती है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विषयों को रंगमंच के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई और महाराजा सुहेलदेव जैसे नायकों की गाथाओं को स्कूलों और कॉलेजों में नाट्य प्रस्तुतियों के जरिए शामिल किया जाना चाहिए, ताकि युवाओं में इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़े।

कोविड-19 काल के लॉकडाउन का किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने कोविड-19 काल का जिक्र करते हुए कहा कि लॉकडाउन के दौरान राज्य सरकार ने प्रवासी श्रमिकों को घर पहुंचाने और मुफ्त राशन उपलब्ध कराने जैसे कदम उठाए, जो संवेदनशील शासन का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि जब शासन संवेदनशील नहीं होता, तब समाज को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। आठ दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह के पहले दिन मुख्यमंत्री ने 15 पूर्व विद्यार्थियों और रंगकर्मियों को सम्मानित भी किया।

भारतेंदु नाट्य अकादमी के पूरे हुए 50 साल

मुख्यमंत्री ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाट्य योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं आज भी सामाजिक चेतना को प्रेरित करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विषयों पर आधारित नाटकों को शिक्षा संस्थानों में बढ़ावा देने की जरूरत है, जिससे युवा पीढ़ी अपनी विरासत को समझ सके। यह स्वर्ण जयंती समारोह अकादमी के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर से कलाकार भाग ले रहे हैं और विभिन्न नाट्य प्रस्तुतियां दी जा रही हैं।

पिछले दो दशक में सबसे निचले पायदान पर बिहार: तेजस्वी

बिहार की विकास स्थिति पर सियासी घमासान तेज

एजेंसी । पटना

बिहार की राजनीति में विकास को लेकर एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के प्रदर्शन पर गंभीर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि राज्य पिछले दो दशकों में विकास के अधिकांश प्रमुख संकेतकों पर निचले पायदान पर बना हुआ है।

स्कूलों में ड्राप आउट दर सर्वाधिक

शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने गंभीर चिंताएं जताईं। उन्होंने कहा कि राज्य में स्कूलों में ड्रॉपआउट रेट अधिक है और पुपिल-टीचर अनुपात असंतुलित बना हुआ है। स्वास्थ्य क्षेत्र का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि सरकारी अस्पतालों में करीब 58 प्रतिशत डॉक्टरों के पद खाली हैं, जिससे आम लोगों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार पर चुनावी वादों के जरिए वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्रियों को सार्वजनिक बहस की चुनौती भी दी। तेजस्वी यादव के आरोपों को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी समर्थन दिया।

अपराध, गरीबी यहां की पहचान

तेजस्वी ने यह भी कहा कि जहां विकास के मानकों पर बिहार पिछड़ा है, वहीं अपराध, गरीबी, बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार जैसे नकारात्मक संकेतकों में राज्य शीर्ष राज्यों में गिना जाता है। उनके अनुसार यह स्थिति सरकार की नीतिगत असफलताओं को दर्शाती है।

हर क्षेत्र में पिछड़ रहा बिहार

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर जारी अपने बयान में तेजस्वी यादव ने कहा कि पिछले 21 वर्षों के दौरान राजग शासन में बिहार साक्षरता दर, प्रति व्यक्ति आय, कृषि आय, निवेश, उपभोग और बिजली खपत जैसे अहम क्षेत्रों में देश के अन्य राज्यों से पीछे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के बजाय राज्य में बुनियादी सूचकांकों में ठहराव की स्थिति बनी हुई है।

49 निकायों के आरक्षण में महिलाओं को 16 सीट

हिमाचल में शहरी निकाय चुनावों की सरगर्मी तेज

नगर परिषद और नगर पंचायत का आरक्षण जारी

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में आगामी पंचायत और शहरी निकाय चुनावों को लेकर प्रशासनिक तैयारियां निर्णायक चरण में पहुंच गई हैं। इसी क्रम में राज्य सरकार ने नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए आरक्षण रोस्टर जारी कर दिया है, जिससे स्थानीय राजनीतिक गतिविधियों में तेजी आने के संकेत मिल रहे हैं। जारी व्यवस्था के तहत कुल 49 शहरी निकायों में आरक्षण लागू किया गया है, जिनमें 16 सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित रखी गई हैं। शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, निकायों में आरक्षण का निर्धारण विधिवत प्रक्रिया के तहत किया गया है। फिलहाल यह रोस्टर नगर परिषद और नगर पंचायत स्तर तक सीमित है, जबकि चार नगर निगमों के लिए आरक्षण सूची अलग से जारी की जाएगी। अदालती निर्देशों के अनुरूप आरक्षण प्रक्रिया को तय समय के भीतर पूरा करना प्रशासन के लिए प्राथमिकता बना हुआ है। जैसे ही चुनाव कार्यक्रम घोषित होगा, प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू होने की संभावना है, जिसके बाद स्थानीय राजनीति में और अधिक सक्रियता देखने को मिल सकती है।

10 निकाय एससी वर्ग के लिए रिजर्व

आरक्षण के आंकड़ों पर नजर डालें तो अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए 10 निकाय आरक्षित किए गए हैं। इनमें से 5 सीटें एससी महिला वर्ग के लिए तय की गई हैं। इस श्रेणी में ऊना का दौलतपुर, चंबा नगर परिषद, कुल्लू का बंजार, बिलासपुर नगर परिषद और मंडी का सुंदरनगर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त मेहतपुर बसदेहड़ा, नगरोटा बगवां, घुमारवीं, रोहडू और चिड़गांव को एससी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है।

एसटी को एक, सामान्य महिला को 11

अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को इस बार एक ही नगर निकाय में प्रतिनिधित्व मिला है, जिसके तहत कांगड़ा जिले का शाहपुर आरक्षित किया गया है। वहीं सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए 11 नगर निकाय सुरक्षित किए गए हैं, जिनमें निरमंड, अर्की, ज्वालामुखी, कंडाघाट, संतोषगढ़, अंब, गगरेट, कुल्लू, नूरपुर, ठियोग और टाहलीवाल शामिल हैं। दूसरी ओर, पंचायत चुनावों की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है। सूत्रों के मुताबिक, अप्रैल के तीसरे सप्ताह के अंत तक पंचायत चुनावों की अधिसूचना जारी की जा सकती है। चुनाव तीन चरणों में कराए जाने की संभावना जताई जा रही है। राज्य सरकार को 7 अप्रैल तक पंचायत स्तर के आरक्षण रोस्टर को अंतिम रूप देना है, जिसके बाद चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा होगी।

गैस एजेंसी पर छापा, 1295 सिलेंडर की हेराफेरी मिली

गैस एजेंसी संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी । अमेठी

अमेठी उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में एलपीजी सिलेंडरों की कथित कालाबाजारी और रिकॉर्ड में हेराफेरी का बड़ा मामला सामने आया है। जिला प्रशासन की छापेमारी में कुल 1295 सिलेंडरों की अनियमितता पकड़ी गई, जिसके बाद गैस एजेंसी संचालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन की सप्लाई टीम ने दुर्गापुर रोड स्थित केवलापुर गांव में संचालित प्रकाश गैस एजेंसी के गोदाम पर जांच की। यह कार्रवाई शिकायत मिलने के बाद की गई। जांच में सामने आया कि गोदाम में सिलेंडरों का भौतिक स्टॉक और विभागीय रिकॉर्ड में बड़ा अंतर है।

556 घरेलू सिलेंडर गायब मिले

आंकड़ों के मुताबिक, 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडरों में 556 भरे सिलेंडर गायब पाए गए, जबकि 432 खाली सिलेंडर अतिरिक्त मिले। इसके अलावा 17 खराब (डिफेक्टिव) सिलेंडर भी मौके पर उपलब्ध नहीं थे। 10 किलोग्राम के कंपोजिट सिलेंडरों में भी गड़बड़ी सामने आई—यहां 9 भरे सिलेंडर कम और 10 खाली अधिक पाए गए।

212 खाली सिलेंडर का कोई रिकार्ड नहीं

व्यावसायिक उपयोग वाले 19 किलोग्राम के सिलेंडरों में 30 भरे सिलेंडर गायब थे, जबकि 212 खाली सिलेंडरों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। वहीं, 5 किलोग्राम श्रेणी में विभागीय पोर्टल पर दर्ज 29 भरे सिलेंडर पूरी तरह से नदारद मिले। इन सभी श्रेणियों को मिलाकर कुल 1295 सिलेंडरों की हेराफेरी की पुष्टि हुई है।

बरामद सिलेंडर अन्यत्र स्थानांतरित

जिलाधिकारी संजय चौहान की अनुमति के बाद एजेंसी संचालक मनदीप सिंह के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 और पेट्रोलियम गैस आदेश, 2000 के उल्लंघन में मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से गोदाम में मौजूद सिलेंडरों को बारहमासी स्थित राजाराम गैस एजेंसी में स्थानांतरित कर दिया है। जांच टीम में शामिल पूर्ति निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय के अनुसार, यह कार्रवाई 'संपूर्ण समाधान दिवस' में प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई। मामले की विस्तृत रिपोर्ट इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को भेज दी गई है, जहां से आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सेफ मोबिलिटी प्रोग्राम: परिवार का सहारा बनीं 119 महिलाएं

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण को एक साथ मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 'सेफ मोबिलिटी प्रोग्राम' के तहत महिला ई-रिक्शा पायलट तैयार करने की पहल को तेज कर दिया है। इस योजना के जरिए बालिकाओं और महिलाओं को सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक परिवहन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। पहले चरण में प्रदेश के 5 जिलों—अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, कौशांबी और झांसी—में इस सेवा की शुरुआत हो चुकी है। वहीं दूसरे चरण में लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र, देवरिया, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में इसे जल्द लागू करने की तैयारी है।

पांच जिलों में 119 महिलाओं को मिला ई-रिक्शा

योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रारंभिक चरण में 1000 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक 5 जिलों में 119 महिलाओं को ई-रिक्शा देकर उद्यमी बनाया जा चुका है। इसके अलावा 629 महिलाओं को ड्राइविंग और संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है, जबकि 244 महिलाओं को वैध ड्राइविंग लाइसेंस भी प्रदान किए गए हैं। कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित है, जिसमें तकनीकी सहयोग डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स द्वारा दिया जा रहा है। इस मॉडल की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे जुड़ी महिलाओं की औसत वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक पहुंच गई है। इस पहल का सामाजिक प्रभाव भी व्यापक माना जा रहा है।

डीजल, पेट्रोल के बाद अब CNG महंगी

पश्चिम एशिया संकट, कई राज्यों में बढ़े कंप्रेस्ड नेचुरल गैस के दाम

वितरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टॉरेंट गैस ने कई राज्यों में बढ़ाई कीमत

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारत के गैस और पेट्रोलियम बाजार में स्पष्ट दिखाई देने लगा है। पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल के बाद अब कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। गैस वितरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टॉरेंट गैस ने विभिन्न राज्यों में सीएनजी दरों में संशोधन किया है।

यूपी में 2.75 रुपये का इजाफा

उत्तर प्रदेश में सीएनजी की कीमत 93.50 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 96.25 रुपये प्रति किलोग्राम कर दी गई है, यानी प्रति किलोग्राम करीब 2.75 रुपये की वृद्धि। इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर में दरों में लगभग 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है, जिसके बाद कई स्थानों पर कीमत 95.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। इसी तरह अन्य राज्यों में भी दरों में बदलाव दर्ज किया गया है। जिसमें पंजाब में लगभग 94.25 रुपये प्रति किलोग्राम, तेलंगाना में करीब 99 रुपये प्रति किलोग्राम, गुजरातमें लगभग 85.17 रुपये प्रति किलोग्राम, महाराष्ट्र में करीब 94.50 रुपये प्रति किलोग्राम और तमिलनाडु में लगभग 94 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

कमर्शियल गैस के 218 रुपये बढ़े दाम

ऊर्जा बाजार में यह बढ़ोतरी उस समय आई है जब हाल ही में व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी 218 रुपये तक की वृद्धि की गई थी। यह वृद्धि पिछले चार महीनों में पांचवीं बार दर्ज की गई है। वहीं घरेलू उपयोग वाले 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर के दाम में 7 मार्च 2026 को 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी।

शेल इंडिया और नायरा ने बढ़ाई कीमत

इसी क्रम में निजी क्षेत्र की कंपनियों शेल इंडिया और नायरा एनर्जी ने भी हाल के दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया है। बेंगलुरु में पेट्रोल के दाम में 7.41 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि नायरा एनर्जी ने पेट्रोल में 5 रुपये और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर तक वृद्धि की।

एक्साइज ड्यूटी में सरकार की राहत

हालांकि, बढ़ती अंतरराष्ट्रीय कीमतों के दबाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में राहत दी है। पेट्रोल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये से घटाकर शून्य कर दिया गया है।

भारती एयरटेल को 29,993 करोड़ का घाटा

टॉप टेन की छह कंपनियों का मार्केट कैप 64.734 हजार करोड़ रुपये घटा

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं और सीमित कारोबारी सत्र वाले सप्ताह ने शेयर बाजार की रफ्तार थाम दी। निवेशकों के कमजोर होते भरोसे और लगातार बिकवाली के दबाव के बीच देश की शीर्ष कंपनियों के बाजार पूंजीकरण पर सीधा असर पड़ा। हालात यह रहे कि टॉप-10 कंपनियों में से 6 के संयुक्त मार्केट कैप में करीब 64,734 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार की समग्र सुस्ती को दर्शाता है। बीते सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 263.67 अंक (0.35%) फिसलकर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी में 106.5 अंक (0.46%) की कमजोरी रही। यह लगातार छठा सप्ताह है जब बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ, जो निवेशकों की सतर्कता और अस्थिरता को रेखांकित करता है। इस गिरावट का सबसे बड़ा असर भारती एयरटेल पर पड़ा, जिसका बाजार पूंजीकरण करीब 29,993 करोड़ रुपये घटकर 10.20 लाख करोड़ रुपये रह गया।

ICICI और बजाज फाइनेंस को भी चपत

इसी क्रम में आईसीआईसीआई बैंक का मूल्य 12,845 करोड़ रुपये कम हुआ और यह 8.70 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस में 11,169 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक में 7,822 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर में 2,349 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक में 553 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, इस सुस्ती के बीच कुछ कंपनियों ने मजबूती भी दिखाई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्य 22,359 करोड़ रुपये बढ़कर 8.87 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि इन्फोसिस में 12,374 करोड़ रुपये की बढ़त रही। लार्सन एंड टुब्रो और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी क्रमशः 6,575 करोड़ और 3,518 करोड़ रुपये का इजाफा दर्ज किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज 18.28 लाख करोड़ रुपये के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। बाजार की इस कमजोरी के पीछे कई कारक एक साथ सक्रिय रहे। अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने सप्ताह की शुरुआत में दबाव बढ़ाया, जबकि विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, रुपये की कमजोरी और महंगाई की चिंताओं ने अस्थिरता को बनाए रखा।

AMUL: एक लाख करोड़ के पार ब्रांड टर्नओवर

डेयरी सेक्टर को मिली नई मजबूती, 11.4 फीसद बढ़ा कारोबार

दूध, बटर, पनीर, घी, आइसक्रीम सहित 1200 उत्पादों की श्रृंखला

नई दिल्ली। देश की अग्रणी डेयरी ब्रांड Amul ने वित्त वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अपने ब्रांड टर्नओवर को 11 प्रतिशत बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा दिया है। लगातार बढ़ती डेयरी उत्पादों की मांग और मजबूत वितरण नेटवर्क ने इस वृद्धि को गति दी है, जिससे कंपनी ने भारतीय एफएमसीजी क्षेत्र में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। अमूल ब्रांड का विपणन करने वाली संस्था गुजरात कोआपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (GCMMF) के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में जहां ब्रांड का टर्नओवर लगभग 90,000 करोड़ रुपये था, वहीं इस वर्ष इसमें उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया गया। इसी अवधि में GCMMF का स्वयं का कारोबार भी 11.4 प्रतिशत बढ़कर 73,450 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले 65,911 करोड़ रुपये था। कंपनी की इस तेज वृद्धि के पीछे उसका व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो और मजबूत आपूर्ति तंत्र प्रमुख कारक रहे। वर्तमान में अमूल के पास 1,200 से अधिक उत्पादों की श्रृंखला है, जो दूध, मक्खन, पनीर, घी, आइसक्रीम सहित विभिन्न श्रेणियों को कवर करती है। देशव्यापी वितरण नेटवर्क और उपभोक्ता मांग के अनुरूप नए उत्पादों की लगातार लॉन्चिंग ने भी बाजार में इसकी स्थिति को सुदृढ़ किया है।

36 लाख से अधिक उत्पादक जुड़े

GCMMF के चेयरमैन अशोकभाई चौधरी के मुताबिक, यह उपलब्धि 36 लाख से अधिक डेयरी किसानों की मेहनत और उपभोक्ताओं के भरोसे का परिणाम है। वहीं वाइस चेयरमैन गोरधनभाई धमेलिया ने इसे सहकारी मॉडल की सफलता का प्रतीक बताया, जहां किसानों की भागीदारी सीधे आर्थिक विकास से जुड़ी है। GCMMF दुनिया की सबसे बड़ी किसान-आधारित डेयरी सहकारी संस्था मानी जाती है, जो प्रतिदिन लगभग 3.1 करोड़ लीटर दूध का संग्रह करती है और हर साल अरबों पैकेट डेयरी उत्पादों की बिक्री करती है। अमूल की यह उपलब्धि न केवल कंपनी की बाजार क्षमता को दर्शाती है, बल्कि भारतीय डेयरी उद्योग में सहकारी ढांचे की मजबूती का भी संकेत देती है।

अप्रैल की शुरुआत में ही 19,837 करोड़ की निकासी

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से बाजार पर दबाव

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से दूरी बनानी जारी रखी है। अप्रैल 2026 के शुरुआती दो कारोबारी सत्रों में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने 19,837 करोड़ रुपये (करीब 2.1 अरब डॉलर) की निकासी कर दी, जिससे बाजार पर दबाव और बढ़ गया है। यह निकासी ऐसे समय पर हुई है जब मार्च 2026 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजार से रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.7 अरब डॉलर) बाहर निकाले थे, जो अब तक की सबसे बड़ी मासिक निकासी मानी जा रही है। इसके उलट, फरवरी में निवेशकों ने 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का उच्चतम स्तर था। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार, 2026 में अब तक कुल FPI निकासी का आंकड़ा 1.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। केवल अप्रैल के पहले दो दिनों में ही कैश मार्केट में बड़े पैमाने पर इक्विटी की बिकवाली दर्ज की गई है।

बिकवाली के पीछे प्रमुख कारण

विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की इस आक्रामक बिकवाली के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक एक साथ काम कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाना, और भारतीय रुपये की कमजोरी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। वी.के. विजयकुमार का कहना है कि युद्ध के चलते रुपया अब तक करीब 4 प्रतिशत कमजोर हो चुका है और इसके और गिरने की आशंका निवेशकों को सतर्क बना रही है, जिससे वे जोखिम कम करने के लिए भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं। वहीं हिमांशु श्रीवास्तव के अनुसार, अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने से फिक्स्ड-इनकम निवेश अधिक आकर्षक हो गया है। इसका असर यह हुआ कि वैश्विक निवेशक इक्विटी बाजारों से पूंजी हटाकर सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स की पहली जीत, पंत की कप्तानी पारी से SRH पर 5 विकेट से जीत

एजेंसी। हैदराबाद

लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) ने सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) को 5 विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अपना जीत का खाता खोल लिया। मुकाबला रोमांचक रहा और आखिरी गेंद तक गया, जहां कप्तान ऋषभ पंत ने शानदार फिनिश करते हुए टीम को जीत दिलाई।

आखिरी ओवर में पंत का कमाल

लखनऊ को 157 रनों का लक्ष्य मिला था। टीम ने यह लक्ष्य 19.5 ओवर में हासिल किया। आखिरी ओवर में 9 रन चाहिए थे, और यहां पंत ने दबाव में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए लगातार तीन चौके जड़ दिए। पंत 50 गेंदों पर 68 रन बनाकर नाबाद लौटे, जिसमें 9 चौके शामिल रहे। यह पारी कप्तानी जिम्मेदारी और मैच फिनिशिंग का बेहतरीन उदाहरण रही। शमी ने शुरुआती झटके देकर SRH को बैकफुट पर धकेल दिया, जिसका फायदा टीम को अंत तक मिला।

खराब शुरुआत के बाद संभली LSG

लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए। मिचेल मार्श सस्ते में आउट हो गए। इसके बाद एडेन मार्करम ने 27 गेंदों पर 45 रन बनाकर पारी को गति दी और टीम को मैच में बनाए रखा।हालांकि, निकोलस पूरन (1 रन) रन आउट हो गए और आयुष बदोनी (12 रन) भी ज्यादा योगदान नहीं दे सके। ऐसे में पंत ने एक छोर संभाले रखा और अब्दुल समद (16 रन) के साथ अहम साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

SRH की खराब शुरुआत, फिर दमदार वापसी

सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज 11 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। अभिषेक शर्मा खाता नहीं खोल सके, ट्रेविस हेड 7 रन पर आउट हुए, जबकि कप्तान ईशान किशन सिर्फ 1 रन बनाकर चलते बने।इसके बाद हेनरिक क्लासेन और नीतीश कुमार रेड्डी ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 116 रनों की शानदार साझेदारी हुई।नीतीश ने 33 गेंदों पर 56 रन (5 छक्के, 3 चौके) बनाए, जबकि क्लासेन ने 41 गेंदों पर 62 रन (5 चौके, 2 छक्के) जड़े।

हेड-टू-हेड में LSG का

IPL इतिहास में LSG और SRH के बीच अब तक 7 मुकाबले हुए हैं, जिसमें लखनऊ ने 5 मैच जीते हैं, जबकि हैदराबाद को 2 बार सफलता मिली है। यह मुकाबला पूरी तरह से उतार-चढ़ाव से भरा रहा। SRH ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की, लेकिन अंत में विकेट गिरने से बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी शुरुआती झटकों के बावजूद संयम बनाए रखा और कप्तान ऋषभ पंत की मैच जिताऊ पारी के दम पर सीजन की पहली जीत दर्ज की।

आखिर में लड़खड़ाई SRH

जब लग रहा था कि SRH बड़ा स्कोर बना लेगी, तभी आवेश खान ने लगातार गेंदों पर क्लासेन और हर्ष दुबे को आउट कर मैच का रुख बदल दिया।अंतिम ओवरों में विकेट गिरते रहे और टीम 156 रन पर सिमट गई। लखनऊ की ओर से मोहम्मद शमी, आवेश खान और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में द्रविड़-कुंबले स्टैंड का अनावरण, भावुक हुए दोनों दिग्गज

एजेंसी। बेंगलुरु

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट के दो महान खिलाड़ियों राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले के नाम पर स्टैंड का रविवार को आधिकारिक अनावरण किया गया। समारोह भावुक माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य भी शामिल हुए। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने पहले ही घोषणा की थी कि द्रविड़ और कुंबले के योगदान को सम्मान देने के लिए स्टेडियम के स्टैंड उनके नाम पर रखे जाएंगे। इस दौरान KSCA अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद और उपाध्यक्ष सुजित सोमसुंदर समेत अन्य अधिकारियों ने समारोह की अगुवाई की।

स्टैंड के नाम में बदलाव

स्टेडियम के पुराने बीईएमएल 'एंड' का नाम बदलकर राहुल द्रविड़ के नाम पर रखा गया, जबकि पवेलियन 'एंड' को अनिल कुंबले के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर शांता रंगास्वामी को भी सम्मान दिया गया है। इस मौके पर राहुल द्रविड़ ने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम उनके लिए दूसरे घर जैसा है। उन्होंने कहा कि इसी मैदान ने उन्हें वह पहचान दी, जो आज उनके पास है और इस सम्मान के लिए उन्होंने KSCA का आभार जताया।

परिवार भी रहा मौजूद

समारोह में द्रविड़ की मां पुष्पा द्रविड़ और उनके भाई विजय मौजूद रहे, वहीं अनिल कुंबले के परिवार के सदस्य—पत्नी चेतना, बेटा मयास और बेटियां आरुनी व स्वास्ति भी इस खास पल के गवाह बने। चिन्नास्वामी स्टेडियम में द्रविड़ और कुंबले के नाम पर स्टैंड का नामकरण भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों के योगदान को सम्मान देने की बड़ी पहल है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

चहल खतरनाक गेंदबाज हैं : पंजाब किंग्स के सहायक गेंदबाजी कोच गोंसाल्वेस

कोलकाता। पंजाब किंग्स के सहायक गेंदबाजी कोच ट्रेवर गोंसाल्वेस का कहना है कि युजवेंद्र चहल का 'खतरनाक' अंदाज उनकी लगातार कड़ी मेहनत की वजह से है और यह अनुभवी लेग-स्पिनर सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ होने वाले आईपीएल मैच में एक बार फिर जबरदस्त प्रदर्शन दिखाने की तैयारी में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चहल केकेआर के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाजों को उनके खिलाफ खेलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

सब जूनियर महिला हॉकी : यूपी, एमपी समेत 6 टीमों की शानदार जीत

रांची। हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के पांचवें दिन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की।पूल डी (डिवीजन ए) में उत्तर प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 5-1 से हराया। कप्तान एरिका और राशि सिंह ने दो-दो गोल किए।वहीं पूल सी में मध्य प्रदेश ने मणिपुर को 6-3 से मात दी। नाज नौशीन ने शानदार हैट्रिक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। डिवीजन बी के मुकाबले में उत्तराखंड ने गुजरात को 9-2 से हराया। मीनाक्षी ने पांच गोल दागकर मैच की स्टार खिलाड़ी रहीं।इसी डिवीजन में असम ने बंगाल को 3-2 से हराकर करीबी मुकाबले में जीत हासिल की।

मीनाक्षी, जैसमीन एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

एजेंसी। (मंगोलिया)

मीनाक्षी हुड्डा और जैसमीन लम्बोरिया के समीफाइनल में पहुंचने से भारतीय महिला मुक्केबाजों का एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। इन दोनों की जीत के साथ ही भारतीय महिला दल के सभी मुक्केबाजों का पदक पक्का हो गया है। मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग में जापान की युका सादामात्सु को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया। उन्होंने मुकाबले के दौरान बेहतरीन संयोजन और रिंग पर नियंत्रण का प्रदर्शन किया।

जैसमीन ने 57 किग्रा वर्ग में चीन की जियी चेन को 5-0 के समान अंतर से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।पुरुष वर्ग में भी भारत का प्रदर्शन दमदार रहा। लोकेश (85 किग्रा) ने कोरिया के गिचाए किम को 5-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। इसके बाद आकाश (75 किग्रा) ने तुर्कमेनिस्तान के यहलास बगत्यारोव को 5-0 से हराया, जबकि हर्ष चौधरी (90 किग्रा) ने किर्गिज गणराज्य के तिनिस्तान अलीबायेव को पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत के अब पुरुष वर्ग में कुल छह मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का लक्ष्य, वैशाख ने जताया बड़ा इरादा

एजेंसी। कोलकाता

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख आईपीएल में अपनी गेंदबाजी को और धारदार बनाने के साथ 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इस सीजन में दो मैचों में 5 विकेट लेकर वैशाख ने अपने पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने आईपीएल करियर की शुरुआत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से की थी, जिसके बाद अब वे पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं। कर्नाटक के इस तेज गेंदबाज ने 'वाइड यॉर्कर' और 'स्लो बाउंसर' जैसी गेंदों से खास पहचान बनाई है।

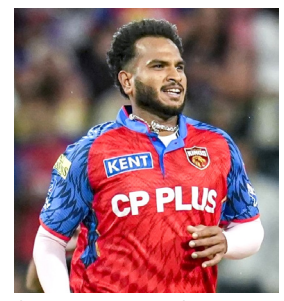

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने आयुष म्हात्रे और सरफराज खान को आउट कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वैशाख ने कहा कि फिलहाल उनकी रफ्तार 140-144 किमी प्रति घंटे के बीच है, लेकिन वे लगातार 150 kmph की गति हासिल करना चाहते हैं।

शमी का कहर, SRH पर पड़ा 10 करोड़ का ट्रेड भारी

एजेंसी। हैदराबाद

हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए IPL मुकाबले में मोहम्मद शमी ने अपनी पूर्व टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ घातक गेंदबाजी कर मैच का रुख पलट दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज शमी ने 4 ओवर में सिर्फ 9 रन देकर 2 विकेट झटके। उन्होंने पहले ही ओवर में अभिषेक शर्मा को शून्य पर आउट किया, जबकि अगले ओवर में ट्रेविस हेड (7 रन) को पवेलियन भेज दिया। शमी की सटीक लाइन-लेंथ और स्विंग के आगे SRH के बल्लेबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। पावरप्ले में टीम सिर्फ 22 रन ही बना सकी, जो उनके आक्रामक अंदाज के बिल्कुल उलट रहा। शमी ने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया। लगातार दबाव के चलते अन्य गेंदबाजों को भी फायदा मिला और टीम ने शुरुआती बढ़त बना ली। इस मुकाबले की सबसे दिलचस्प बात यह रही कि शमी को SRH ने ही 10 करोड़ रुपये में ट्रेड कर लखनऊ सुपर जायंट्स को भेजा था। पिछले सीजन में उनका प्रदर्शन कमजोर रहा था, लेकिन

इस मैच में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए साबित कर दिया कि अनुभव और क्लास हमेशा कायम रहती है। अब यह ट्रेड लखनऊ के लिए फायदे का सौदा नजर आ रहा है, जबकि SRH के लिए यह फैसला भारी पड़ता दिख रहा है। जिस गेंदबाज को टीम ने छोड़ा, वही इस मुकाबले में उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गया।

बॉलीवुड

दिव्या भारती: शोहरत के शिखर से रहस्यमयी मौत तक, 33 साल बाद भी अनसुलझे सवाल

भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शुमार दिव्या भारती की मौत को 33 साल बीत चुके हैं, लेकिन उनकी जिंदगी और निधन से जुड़े सवाल आज भी रहस्य बने हुए हैं। महज 19 साल की उम्र में मिली अपार सफलता और अचानक हुई मौत ने उन्हें हमेशा के लिए एक अनसुलझी कहानी बना दिया। दिव्या भारती ने 1990 में साउथ फिल्म इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत की और देखते ही देखते सुपरस्टार बन गईं। 992 में बॉलीवुड में एंट्री के साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। सिर्फ 9 साल के करियर में उन्होंने करीब 22 फिल्मों में काम किया और इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस बन गईं। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह उस समय सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शामिल थीं। दिव्या की जिंदगी से जुड़े कई रहस्य समय-समय पर सामने आते रहे हैं। उनकी कजिन कायनात अरोड़ा के अनुसार, बचपन में ही एक पंडित ने उनकी कुंडली में अल्पायु योग बताया था। परिवार ने इससे बचने के लिए धार्मिक अनुष्ठान भी कराए, लेकिन बाद में यह सिलसिला रुक गया। उनकी मौत के बाद पुनर्जन्म को लेकर किए गए दावों ने इस कहानी को और रहस्यमयी बना दिया। 5 अप्रैल 1993 की रात दिव्या भारती अपने अपार्टमेंट की खिड़की से गिर गईं। पोस्टमॉर्टम में सिर में गंभीर चोट और इंटरनल ब्लीडिंग को मौत का कारण बताया गया। मामले की जांच करीब 5 साल तक चली, जिसमें उनके पति साजिद नाडियाडवाला समेत कई लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया। आखिरकार 1998 में पुलिस ने इस केस को हादसा मानकर बंद कर दिया। हालांकि, आज भी फैंस और कई लोग इसे महज एक दुर्घटना मानने को तैयार नहीं हैं। दिव्या भारती की जिंदगी और मौत आज भी एक ऐसी पहेली है, जिसका जवाब वक्त के साथ और गहरा होता जा रहा है।

18 दिन में 'धुरंधर 2' ने पार किया 1000 करोड़ का आंकड़ा, अब 'पुष्पा 2' पर नजर

धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। 19 मार्च को रिलीज हुई इस फिल्म ने महज 18 दिनों में 1000 करोड़ क्लब में एंट्री कर ली है और अब भी इसकी कमाई रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने 18वें दिन करीब 20.72 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही भारत में इसका कुल कलेक्शन 1,005.74 करोड़ रुपये पहुंच गया है। वीकेंड का फायदा फिल्म को लगातार मिल रहा है, जिससे इसकी कमाई में और उछाल देखने को मिल रहा है। सिर्फ भारत ही नहीं, फिल्म का जलवा दुनियाभर में भी कायम है। 'धुरंधर 2' ने अब तक 1,564.30 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। अब फिल्म की नजर पुष्पा 2 के रिकॉर्ड पर है, जिसने वैश्विक स्तर पर 1,742.10 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। इसमें रणवीर सिंह, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और राकेश बेदी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।फिल्म की कहानी एक भारतीय जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पाकिस्तान में जाकर एक खतरनाक मिशन को अंजाम देता है। तेजी से बढ़ती कमाई को देखते हुए माना जा रहा है कि 'धुरंधर 2' जल्द ही नए रिकॉर्ड बना सकती है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या यह फिल्म 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ पाएगी या नहीं।

रश्मिका मंदाना के जन्मदिन पर 'मायसा' का दमदार लुक रिलीज

रश्मिका मंदाना की आगामी पैन-इंडिया फिल्म 'मायसा' को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। एक्ट्रेस के जन्मदिन के खास मौके पर मेकर्स ने फिल्म से उनका नया लुक जारी किया, जिसने सोशल मीडिया पर तुरंत चर्चा बटोर ली। जारी किए गए मोनोक्रोम पोस्टर में रश्मिका मंदाना एक बिल्कुल नए और इंटेंस अवतार में नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर धूल और खून के निशान उनके किरदार की रॉ पावर और भावनात्मक गहराई को दर्शाते हैं। इस लुक से साफ संकेत मिलता है कि फिल्म में वह एक निडर और दमदार भूमिका निभाने जा रही हैं, जो उनकी अब तक की ऑन-स्क्रीन इमेज से काफी अलग होगी। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने रश्मिका को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि वह अपनी ग्रेस और आकर्षण से दिल जीतने के बाद अब अपने गुस्से और ताकत के साथ दर्शकों के सामने आने वाली हैं। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के फर्स्ट लुक और दमदार बैकग्राउंड स्कोर ने भी दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। अनफॉर्मुला फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले ने किया है। यह एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जो आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। संगीत जेक्स बिजॉय ने दिया है। 'मायसा' 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसे साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

अक्षय-विद्या की नई फिल्म का टाइटल फाइनल, 'राम और श्याम' से करेंगे धमाल

अक्षय कुमार और विद्या बालन की अपकमिंग कॉमेडी फिल्म को आखिरकार टाइटल मिल गया है। लंबे इंतजार के बाद सामने आई जानकारी के मुताबिक, इस फिल्म का नाम 'राम और श्याम' रखा गया है। करीब 15 साल बाद अक्षय कुमार और मशहूर डायरेक्टर अनीस बज्मी एक साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 'थैंक्यू' जैसी फिल्म में साथ काम किया था। अब उनकी यह नई फिल्म फैंस के लिए खास मानी जा रही है। इस फिल्म में

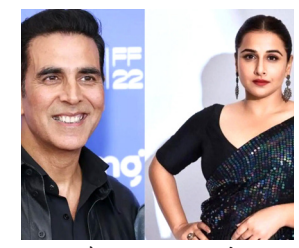

अक्षय और विद्या बालन के साथ राशी खन्ना भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा विजय राज, जाकिर हुसैन और सयाजी शिंदे जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की शूटिंग 20 जनवरी से मुंबई में शुरू हो चुकी है और जल्द ही इसका अगला शेड्यूल कर्जत में शुरू होने वाला है। अक्षय कुमार और अनीस बज्मी इससे पहले 'वेलकम' और 'सिंह इज किंग' जैसी सुपरहिट फिल्में दे चुके हैं। ऐसे में इस नई फिल्म से भी दर्शकों को जबरदस्त कॉमेडी और एंटरटेनमेंट की उम्मीद है। इस फिल्म को दिल राजू प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में कॉमेडी, रोमांस, एक्शन और म्यूजिक का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा। फिलहाल फिल्म प्रोडक्शन स्टेज में है, लेकिन टाइटल सामने आने के बाद फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है।

अमेरिका-चीन के प्रभाव से दूर रहें देश : इमैनुएल मैक्रों

एजेंसी । पेरिस/सियोल

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वैश्विक मंच पर एक बड़ा संदेश देते हुए समान विचारधारा वाले देशों से 'स्वतंत्रता गठबंधन' बनाने की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हालिया सार्वजनिक मतभेदों के बाद मैक्रों ने अमेरिका की 'अनिश्चितता' और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच देशों से किसी एक शक्ति के 'जागीरदार' न बनने की बात कही। दक्षिण कोरिया के सियोल में दिए अपने भाषण में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, लोकतंत्र और जलवायु जैसे साझा मूल्यों पर आधारित नई वैश्विक व्यवस्था बनाने का आह्वान किया, जो मौजूदा भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच एक अहम संकेत माना जा रहा है।

नई वैश्विक व्यवस्था की जरूरत

योनसेई विश्वविद्यालय में दिए गए अपने भाषण में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि दशकों तक, हमारे पास एक तथाकथित स्थिरता थी, जो इस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और हमारे पास मौजूद कुछ निश्चितताओं पर आधारित थी। अब इसमें उतार-चढ़ाव आ रहा है। इस नई अव्यवस्था में हमें केवल मूकदर्शक बनकर नहीं रहना चाहिए। हमें एक नई व्यवस्था का निर्माण करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य दो वर्चस्ववादी शक्तियों के जागीरदार बनना नहीं है। हम चीन के प्रभुत्व पर निर्भर नहीं रहना चाहते और न ही हम अमेरिका की अनिश्चितता के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनना चाहते हैं। इमैनुएल मैक्रोंने पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। साथ ही उन्होंने ट्रंप पर भी पलटवार किया, जिन्होंने नाटो के यूरोपीय सदस्यों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की उनकी अपील को अनसुना किए जाने के बाद, संगठन को एक 'कागजी शेर' कहकर उसका मजाक उड़ाया था।

पश्चिम एशिया में अमेरिका के पूर्व और वर्तमान हस्तक्षेपों का ज़िक्र करते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हम केवल बमबारी या सैन्य अभियानों के ज़रिए इस स्थिति को ठीक कर पाएंगे। आरटी ने न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से बताया कि फ्रांस ने रूस और चीन के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का विरोध किया, जो होर्मुज में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को अधिकृत करता। इस प्रस्ताव पर मतदान मूल रूप से शुक्रवार को होना था, जिसे अब स्थगित कर दिया गया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल के वर्षों में फ्रांस के रक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिसमें मिसाइल, ड्रोन और पनडुब्बी क्षमताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। पिछले महीने उन्होंने कहा था कि फ्रांस जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों की सुरक्षा के लिए अपनी परमाणु सुरक्षा छतरी का विस्तार कर सकता है।

स्वतंत्र गठबंधन की अपील

रूस की सरकारी नियंत्रण वाला अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्वजनिक विवाद के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दुनिया भर के देशों से अपील की है कि वे अमेरिका या चीन के 'जागीरदार' न बनें। शुक्रवार को सियोल की यात्रा के दौरान, फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने दक्षिण कोरिया, जापान, ब्राजील, भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून, लोकतंत्र और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर साझा प्रतिबद्धताओं के आधार पर एक 'स्वतंत्रता गठबंधन' बनाने का आग्रह किया।

होर्मुज पर टकराव तेज

ट्रंप की ईरान को सख्त चेतावनी

एजेंसी । नई दिल्ली

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोलता, तो 7 अप्रैल से उसके पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए दी गई 10 दिन की समयसीमा अब खत्म होने वाली है। अगर ईरान ने इस पर सकारात्मक कदम नहीं उठाया, तो उसे 'गंभीर परिणाम' भुगतने होंगे।उन्होंने यह भी संकेत दिया कि बिजली, पानी और तेल से जुड़े अहम ढांचों पर हमले किए जा सकते हैं, जिससे ईरान की बुनियादी व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ेगा।

हालिया हमलों का जिक्र

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में अमेरिका और इजराइल की संयुक्त कार्रवाई में ईरान के करज क्षेत्र में एक बड़े पुल को निशाना बनाया गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। इसे आगे की संभावित कार्रवाई का संकेत माना जा रहा है।

ईरान का जवाब

ईरान ने ट्रंप की धमकियों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि इस तरह के हमले 'युद्ध अपराध' होंगे। तेहरान ने चेतावनी दी है कि किसी भी सैन्य कार्रवाई का जवाब दिया जाएगा और क्षेत्र के अहम ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

क्यों अहम है होर्मुज स्ट्रेट?

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस मार्ग पर तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार और ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर, कूटनीतिक कोशिशें फिलहाल बेनतीजा रही हैं और क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

चीन की मदद से मजबूत हो रहा ईरान, मिसाइल सप्लाई ने बढ़ाई अमेरिका-इजराइल की चुनौती

एजेंसी । नई दिल्ली

ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष के बीच एक नई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है कि चीन, ईरान की मिसाइल क्षमता को फिर से खड़ा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इससे अमेरिका और इजराइल के हमलों का असर कम होता दिख रहा है। इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (ISW) की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजराइल ने हाल के दिनों में ईरान के कई मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों में ईंधन प्लांट, सॉलिड प्रोपेलेंट यूनिट, स्टोरेज साइट और मिसाइल निर्माण इकाइयों को नुकसान पहुंचाया गया।

चीन से पहुंच रही अहम सामग्री

रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने के बाद से चीन ने कम से कम पांच बार ईरान को सोडियम पर्क्लोरेट जैसे केमिकल की सप्लाई की है, जो सॉलिड मिसाइल ईंधन बनाने में बेहद जरूरी होता है।यह सामग्री इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइंस (IRISL) से जुड़े जहाजों के जरिए भेजी गई, जो पहले से अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में हैं। मरीन डेटा के अनुसार, ये जहाज चाबहार पोर्ट और बंदर अब्बास के पास देखे गए हैं, जहां से आगे इन सामग्रियों को मिसाइल ठिकानों तक पहुंचाया जा रहा है।

हमलों का असर क्यों हो रहा कम?

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि चीन की इस मदद से ईरान तेजी से अपने क्षतिग्रस्त मिसाइल सिस्टम की मरम्मत कर रहा है। कई ठिकाने हमलों के कुछ घंटों के भीतर ही फिर से सक्रिय हो गए हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान का मिसाइल नेटवर्क काफी जटिल है, जिसमें कई सपोर्ट सिस्टम शामिल हैं, इसलिए इसकी पूरी स्थिति का आकलन करना अभी भी मुश्किल बना हुआ है। कुल मिलाकर, चीन की यह सप्लाई मौजूदा संघर्ष में

पासपोर्ट आरोप पर सियासी घमासान

खेड़ा के आरोप, सरमा का पलटवार

दिसपुर। असम विधानसभा चुनाव से पहले सियासी घमासान तेज हो गया है। पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि उनके पास तीन देशों के पासपोर्ट और विदेशों में संपत्तियां हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कुछ दस्तावेज पेश करते हुए आरोप लगाया कि रिंकी सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और एंटीगुआ-बारबुडा के पासपोर्ट हैं। साथ ही दुबई में संपत्ति और अमेरिका के व्योमिंग में एक बड़ी कंपनी से संबंध होने का भी दावा किया गया। खेड़ा ने सवाल उठाया कि क्या उनके पास भारतीय नागरिकता भी है, क्योंकि भारत में दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं है। उन्होंने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) गठित करने की मांग भी की। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इसे 'राजनीति से प्रेरित साजिश' करार दिया।

पंजाब की 'सेहत योजना' बनी संजीवनी

हर परिवार को 10 लाख तक मुफ्त इलाज

एजेंसी । नई दिल्ली

पंजाब सरकार की 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' राज्य में स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। भगवंत मान के नेतृत्व में चल रही इस योजना के तहत हर परिवार को सालाना 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे गंभीर बीमारियों के दौरान आर्थिक बोझ काफी हद तक कम हो रहा है।

गंभीर बीमारियों में राहत

दिल का दौरा, कैंसर और जन्म संबंधी जटिलताओं जैसी बीमारियां अचानक सामने आती हैं, जिनमें तुरंत इलाज जरूरी होता है। ऐसे में यह योजना मरीजों को बिना देरी इलाज कराने में मदद कर रही है। यह योजना सरकारी और निजी दोनों अस्पतालों में 2300 से अधिक बीमारियों का इलाज कवर करती है। अब तक 33 लाख से ज्यादा परिवार इससे जुड़ चुके हैं और लाखों मरीजों को मुफ्त इलाज मिल चुका है।

करोड़ों का इलाज मुफ्त

राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, करीब 1.98 लाख इलाजों को मंजूरी दी जा चुकी है, जिन पर 330 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुआ है। इसमें दिल की सर्जरी, डायलिसिस और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज शामिल है।

समय पर इलाज में मदद

डॉक्टरों का मानना है कि आपात स्थिति में इलाज में देरी जानलेवा हो सकती है। इस योजना के कारण परिवारों को खर्च की चिंता कम होती है, जिससे वे तुरंत अस्पताल पहुंच पाते हैं।

जागरूकता और विस्तार पर जोर

राज्य सरकार योजना के दायरे को बढ़ाने, अस्पताल नेटवर्क मजबूत करने और लोगों में जागरूकता फैलाने पर लगातार काम कर रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें। कुल मिलाकर, 'सेहत योजना' न सिर्फ इलाज का सहारा बन रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

ग्रीन बजट से दिल्ली को हरा-भरा बनाने की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ग्रीन बजट पेश करते हुए पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी है। कुल 1,03,700 करोड़ रुपये के बजट में से 22,236 करोड़ रुपये (21.44 प्रतिशत) हरित योजनाओं के लिए तय किए गए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार, इस बजट के तहत 17 विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि समन्वित तरीके से काम हो सके। ग्रीन बजट में सबसे ज्यादा 6,485 करोड़ रुपये दिल्ली जल बोर्ड को दिए गए हैं, जिनका उपयोग यमुना की सफाई और जल उपचार परियोजनाओं में किया जाएगा। परिवहन विभाग को 4,758 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे ई-बसों को बढ़ावा और प्रदूषण कम करने की दिशा में काम होगा। लोक निर्माण विभाग (PWD) को 3,350 करोड़ रुपये धूल नियंत्रण और हरित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दिए गए हैं।

नुकसान का सर्वे, किसानों को राहत : मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान के बाद राज्य सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में फसलों और संपत्ति को हुए नुकसान का जल्द से जल्द सर्वे कराएं। उन्होंने कहा कि सही और शीघ्र आकलन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में अधिक नुकसान हुआ है, वहां प्राथमिकता के आधार पर राहत कार्य शुरू किए जाएं। प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ काम करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बंगाल में इस बार बीजेपी सरकार का दावा

धर्मेंद्र प्रधान ने टीएमसी पर साधा निशाना

एजेंसी । झारग्राम

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल की सियासत को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि इस बार राज्य में बीजेपी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और दमनकारी शासन के आरोप लगाए। प्रधान ने कहा कि इस बार चुनाव राजनीतिक दल नहीं, बल्कि जनता खुद लड़ रही है। उनके मुताबिक, बंगाल की जनता भ्रष्टाचार और भय के माहौल के खिलाफ निर्णायक मतदान करने जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सुवेंदु अधिकारी, समिक भट्टाचार्य और दिलीप घोष जैसे नेता बाहरी हैं?

कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने मालदा की हालिया घटना का जिक्र करते हुए इसे खराब प्रशासन का उदाहरण बताया।

'संवैधानिक नियंत्रण से बाहर जा रहा राज्य'

प्रधान ने दावा किया कि बंगाल धीरे-धीरे संवैधानिक नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है और मौजूदा सरकार के पास सुशासन का कोई स्पष्ट एजेंडा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन का तरीका डर और दबाव पर आधारित है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

डबल इंजन सरकार का दावा

प्रधान ने कहा कि पिछले एक दशक में बीजेपी राज्य में एक मजबूत राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी है और इस बार "डबल इंजन" सरकार बनने के संकेत साफ हैं। उनके अनुसार, जनता बदलाव चाहती है और बीजेपी को पूर्ण बहुमत देने का मन बना चुकी है। कुल मिलाकर, बंगाल की सियासत में चुनाव से पहले बयानबाजी तेज हो गई है और आने वाले समय में राजनीतिक मुकाबला और दिलचस्प होने की संभावना है।

एयरपोर्ट जैसा बनेगा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास अब एयरपोर्ट की तर्ज पर किया जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस परियोजना का ब्लूप्रिंट तैयार हो चुका है और काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। उद्देश्य स्टेशन को आधुनिक, सुरक्षित और यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाना है। यह परियोजना रेल भूमि विकास प्राधिकरण और भारतीय रेलवे के संयुक्त प्रयास से तैयार की जा रही है। स्टेशन को विश्वस्तरीय मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जाएगा। स्टेशन की सुरक्षा को हाईटेक बनाने के लिए करीब 1500 AI आधारित कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे हर गतिविधि पर नजर रखेंगे और संदिग्ध व्यवहार की पहचान करने में सक्षम होंगे।

1500 AI कैमरों से कड़ी निगरानी

नेपाल में ईंधन संकट, हफ्ते में 2 दिन छुट्टी का फैसला

एजेंसी । काठमांडू

वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और तेल आपूर्ति में बाधा का असर अब नेपाल में भी साफ दिखाई दे रहा है। पेट्रोल-डीजल की भारी कमी के चलते काठमांडू महानगर के मेयर बालेन शाह की सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए सप्ताह में दो दिन सार्वजनिक अवकाश लागू करने का फैसला लिया है। सरकार के अनुसार, अब सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में शनिवार और रविवार को छुट्टी रहेगी। साथ ही दफ्तरों का समय भी बदलकर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे कर दिया गया है। सरकार के प्रवक्ता और शिक्षामंत्री सस्मित पोखरेल ने बताया कि यह निर्णय ईंधन आपूर्ति में आई गंभीर दिक्कतों को देखते हुए लिया गया है और नई व्यवस्था सोमवार से लागू होगी।

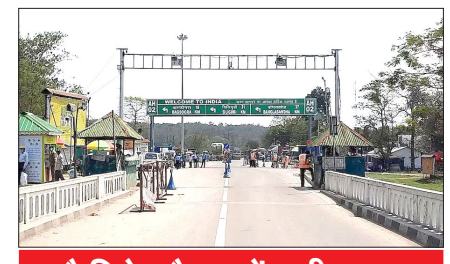

कैबिनेट बैठक में लगी मुहर

रविवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में पेट्रोलियम संकट को ध्यान में रखते हुए इस फैसले को मंजूरी दी गई। सरकार का मानना है कि इससे ईंधन की खपत में कमी आएगी और जरूरी सेवाओं के लिए ईंधन बचाया जा सकेगा।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर

सरकार ने पुराने पेट्रोल-डीजल वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने पर भी जोर दिया है। अभी तक पंजीकरण, नवीनीकरण और तकनीकी मानकों की स्पष्ट व्यवस्था न होने के कारण वाहन मालिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

बंगाल में बदलाव की आहट

कूचबिहार से पीएम का TMC पर प्रहार

एजेंसी । कोलकाता/कूचबिहार

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में "परिवर्तन की लहर" चल रही है और चुनाव के बाद TMC के "पापों का हिसाब" किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कूचबिहार की रैली में उमड़ी भीड़ यह संकेत दे रही है कि राज्य में TMC का समय समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड से शुरू हुआ "परिवर्तन महाअभियान" अब पूरे बंगाल में असर दिखा रहा है।

घुसपैठ और भ्रष्टाचार पर हमला

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य में "सिंडिकेट राज" और "कटमनी संस्कृति" के कारण आम लोगों में भय का माहौल है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो घुसपैठ पर रोक लगाई जाएगी और अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनाव के बाद कानून अपना काम करेगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि "चुन-चुन कर हिसाब" किया जाएगा और भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण

पीएम मोदी ने संदेशखाली जैसे मामलों का जिक्र करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को 33% आरक्षण देने वाले कानून का जिक्र करते हुए कहा कि इसका लाभ भविष्य के चुनावों में मिलेगा। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था को कमजोर किया है और तुष्टिकरण की राजनीति से बंगाल की पहचान को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि अब "अन्याय का अंत" होगा और राज्य में बदलाव तय है।

FCRA संशोधन पर सियासत तेज, खरगे का केंद्र पर हमला

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि प्रस्तावित FCRA संशोधन के जरिए नरेंद्र मोदी सरकार ईसाई संस्थाओं, NGOs और सिविल सोसाइटी को निशाना बना रही है। खरगे ने कहा कि फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट यानी FCRA में प्रस्तावित बदलाव सरकार की मंशा को उजागर करते हैं। उनके मुताबिक, यह कोई सुधार नहीं बल्कि सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं पर दबाव बनाने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ईसाई संस्थानों में डर का माहौल पैदा करना चाहती है। गौरतलब है कि FCRA संशोधन विधेयक 25 मार्च को लोकसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पेश किया था। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य विदेशी फंड के उपयोग में पारदर्शिता बढ़ाना और राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ संभावित दुरुपयोग को रोकना है।